



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 6। नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 11, 1989/माघ 22, 1910
No. 6] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 11, 1989/MAGHA 22, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1989

आदेश

यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर पुलिस महानिदेशक, पंजाब, अण्डीगढ़ के समक्ष हाजिर हो।

[फा. सं. 673/246/88-सो. नु.—VIII]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 1st February, 1989

ORDERS

कां०का० 286:—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और सत्कारी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) का धारा 3 की उपधारा (1) के प्रचीन विशेष रूप से संशोधित किया गया है, उक्त उपधारा के प्रचीन आदेश फा. सं. 673/246/88-सो. नु. VIII तारीख 26-4-1988 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री भूपिंदर सिंह भारतीय पासपोर्ट धारक सं. बी. -236245, 450/2, घर सोधियन डाक घर केलाचक पुलिस थाना केला चक पटिलाया को केन्द्रीय जेल, डमडम, कलकत्ता में निबद्ध कर लिया जाये और अधिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे माल को सत्कारी करने से रोका जा सके; और

2. केन्द्रीय सरकार के पास य विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,

S.O. 286.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/246/88-CUS.VIII dated 26-4-1988 under the said sub-section directing that Shri Bhupinder Singh, Holder of Indian Passport No. B-236245, 450/2, Gher-Sodlan, P. O. Kella Chawk, P. S. Kella Chawk, Patiala, be detained and kept in custody in the Central Jail, Dum Dum, Calcutta with a view to preventing him from smuggling goods; and

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the D. G. of Police, Punjab, Chandigarh within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/246/88-CUS.VIII]

का. पा. 287.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का. सं. 673/338/88-सी. नु. VIII तारीख 1-9-1988 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री उमान ईसाई, 34, इसाक बिल्डिंग, एम.वी.पी. रोड, नल बाजार, बम्बई-400003 को केन्द्रीय जेल बम्बई में निरुद्ध कर लिया जाये और अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे विदेशी मुद्रा की अभिवृद्धि के लिए, हानिकारक किसी भी कार्य को करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति कपार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस प्रायुक्त बम्बई के समक्ष हाजिर हो।

[का. सं. 673/338/88-सी. नु. VIII]

S.O. 287.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/338/88-CUS.VIII dated 1-9-1988 under the said sub-section directing that Shri Uman Ismail, 34, Isaac Building, S.V.P. Road, Null Bazar, Bombay-400003 be detained and kept of custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/338/88-CUS.VIII]

का. पा. 288.—भारत सरकार, के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का. सं. 673/338/88-सी. नु. VIII तारीख 1-9-1988 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री शेफाल माली तथा चर्च जम्बू एस के, पुत्र भादुर लतीफ माली तथा, एम. वंशेश्वर डाऊनर मुद्रापुर पुलिस थाना नोडिया, जिना मुद्रापुर को प्रेसीडेंसी जेल, धनपुर, कलकत्ता में निरुद्ध कर लिया जाये और अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे माल को तस्करी करने के लिए उक्तान से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति कपार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उप धारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस सहायनिदेशक, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता के समक्ष हाजिर हो।

[का. सं. 673/325/88-सी. नु. VIII]

S.O. 288.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/325/88-CUS.VIII dated 3-8-1988 under the said sub-section directing that Shri Sherful Malitya alias Jambu S. K. son of Abdul Latif Malitya, Vill. Chandipur P. O. Mohammedpur, P. S. Newda, Distr. Murshidabad be detained and kept in custody in the Presidency Jail, All-pore, Calcutta with a view to preventing him from engaging in abetting the smuggling of goods.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concerning himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the D. G. of Police, West Bengal, Calcutta, within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/325/88-CUS.VIII]

का. पा. 289.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम 1974, (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का. सं. 673/306/88-सी. नु. VIII तारीख 12-8-1988 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि कु. कोल सोमी पूर्वोक्त ईसाईजी जी चोपड़ा, 206, सी. विंग, सिमला हाऊस नैपान सी. रोड, बम्बई-400006 को केन्द्रीय जेल बम्बई में निरुद्ध कर लिया जाये और अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे विदेशी मुद्रा की अभिवृद्धि के लिए हानिकारक किसी भी कार्य को करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति कपार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस प्रायुक्त, बम्बई के समक्ष हाजिर हो।

[का. सं. 673/306/88-सी. नु. VIII]

S.O. 289.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/306/88-CUS.VIII dated 12-8-1988 under the said sub-section directing that Miss Koulcoume Quarban Esmailji Chopra, 206-C Wing, Simla House, Napean Sea Road, Bombay-400006, be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act,

the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/306/88-CUS.VIII]

का. भा. 290:—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का.सं. 673/5/88-सी.गु.-88 तारीख 21-1-1988 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री कंवर जीत सिंह उर्फ पट्टनान उर्फ कंवर पट्टनान, पुत्र श्री संत सिंह, 82, मोहन एवेन्यू, मनुजपुर, को तिरुड कर लिया जाये और केन्द्रीय जेल, तिहार, दिल्ली में बंदिखा में रखा जाए ताकि उसे माल की तस्करी करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर पुलिस महा-निदेशक, पंजाब, चण्डीगढ़ के समक्ष हजरि हो।

[का.सं. 673/5/88-सी.गु.-VIII]

S.O. 290.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/5/88-CUS.VIII dated 21-1-1988 under the said sub-section directing that Shri Kanwarjit Singh @ Pahalwan @ Kanwar Pahalwan, S/o Shri Santa Singh, 32, Golden Avenue, Amritsar, Punjab, be detained and kept in custody in the Central Jail, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from abetting the smuggling of goods.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the D. G. of Police, Punjab, Chandigarh within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/5/88-CUS.VIII]

का. भा. 291:—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन का.सं. 673/326/88-सी.गु.-VIII तारीख 10-8-1988 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री बन्धन सिंह, पुत्र स्व. भगोच सिंह, गांव न बाकवर हनुपुर, जिला हिवार, हरियाणा को प्रीसीडेंसी जेल, मलोपुर, कन्नड़ता में तिरुड कर लिया जाये और बंदिखा में रखा जाए ताकि उसे तस्करी के माल की बोहने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,

यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर पुलिस महा-निदेशक, हरियाणा, चण्डीगढ़ के समक्ष हजरि हो।

[का.सं. 673/326/88-सी.गु.-VIII]

S.O. 291.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/326/88-CUS.VIII dated 10-8-1988 under the said sub-section directing that Shri Bachchan Singh, son of late Ajit Singh, Vill. & P. O. Hanspur, Dist. Hissar, Haryana, be detained and kept in custody in the Presidency Jail, Alipore, Calcutta with a view to preventing him from engaging in transporting smuggled goods.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed.

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the D. G. of Police, Haryana, Chandigarh, within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/326/88-CUS.VIII]

का.भा. 202—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का.सं. 673/246/88-सी.गु.-88 तारीख 26-4-1988 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री जसवीर सिंह वास्तव्य प.सबोर्ट धारक सं. धर्मा-56697, स्कान नं. बी.5/311, कैम्प दुखनिवारन सिखान रोड, पटियाला-पंजाब को केन्द्रीय जेल कन्नड़ता में तिरुड कर लिया जाये और बंदिखा में रखा जाए ताकि उसे माल की तस्करी करने से रोका जा सके;

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर पुलिस महा-निदेशक, पंजाब, चण्डीगढ़ के समक्ष हजरि हो।

[का.सं. 673/246/88-सी.गु.-VIII]

S.O. 292.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/245/88-CUS.VIII dated 26-4-1988 under the said sub-section directing that Shri Jasvinder Singh, Holder of Indian Passport No. Y-259697, H. No. B5/311, Camp. Dukhniwaran, Sirhand Road, Patiala, Punjab be detained and kept in custody in the Central Jail, Dum Dum, Calcutta with a view to preventing him from smuggling goods; and

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police Punjab, Chandigarh within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/245/88-CUS.VIII]

का.पा. 293—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा VIII की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का.सं. 673/305/88-सी. शु.-VIII, तारीख 12-8-1988 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री नुरुद्दीन इस्मईल जा चोपड़ा, 206 सी. विंग, सिमला हाउस, नेपियन रोड, बम्बई-400006 को केन्द्रीय जेल बम्बई में निरुद्ध कर लिया जाये और अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे विदेशी मुद्रा की अभिवृद्धि के लिए हानिकारक किसी भी कार्य को करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, बम्बई के समक्ष हाजिर हों।

[का.सं. 673/305/88-सी.शु.-VIII]

S.O. 293.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/305/88-CUS.VIII dated 12-8-1988 under the said sub-section directing that the Shri Nuruddin Esmailji Chopra, 206-C Wing, Simla House, Napier Sea Road, Bombay-400006, be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commission of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/305/88-CUS.VIII]

का.पा. 294—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का.सं. 673/324/88-सी. शु.-VIII, तारीख 12-8-1988 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री प्रभुदयाल अग्रवाल, पुत्र श्री अनवर बच्चवा, 3/78-बी, पालीवासाल पटो, लोकनरपूर, कुम्भकोनम तालुक, यन्ताजबोर जिला, तमिलनाडु को केन्द्रीय जेल मद्रास में निरुद्ध कर लिया जाये और अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे विदेशी मुद्रा की अभिवृद्धि के लिए हानिकारक किसी कार्य को करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस महा-निदेशक बिहार, पटना के समक्ष हाजिर हों।

[का.सं. 673/324/88-सी.शु.-VIII]

S.O. 294.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/324/88-CUS.VIII dated 12-8-1988 under the said sub-section directing that Shri A. Mohamed Muthar, son of Shri Ameer Batcha, 3/78-B, Pallivasal Street, Tirunarayur, Kumbakonam Taluk Thanjavour Distt. Tamil Nadu be detained and kept in custody in the Central Prison, Madras with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to be augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the D. G. of Police, Tamilnadu, Madras within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/324/88-CUS.VIII]

का.पा. 295—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का.सं. 673/324/88-सी. शु.-VIII, तारीख 3-8-1988 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री प्रभुदयाल अग्रवाल, पुत्र श्री अनवर बच्चवा, 3/78-बी, पालीवासाल पटो, लोकनरपूर, कुम्भकोनम तालुक, यन्ताजबोर जिला, तमिलनाडु को केन्द्रीय जेल मद्रास में निरुद्ध कर लिया जाये और अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे विदेशी मुद्रा की अभिवृद्धि के लिए हानिकारक किसी कार्य को करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस महा-निदेशक बिहार, पटना के समक्ष हाजिर हों।

[का.सं. 673/324/88-सी.शु.-VIII]

S.O. 295.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/324/88-CUS.VIII dated 3-8-1988 under the said sub-section directing that Shri Prabhudayal Agarwal alias Abuwala, son of late Jivraj Agarwal, Gallanpara, P.O. and Vill. and Distt. Dumka, Bihar be detained and kept in custody in the Presidency Jail, Calcutta with a view to preventing him from smuggling goods and engaging in transporting and keeping smuggled goods.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the D. G. of Police, Bihar, Patna within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/324/88-CUS.VIII]

का.सं. 296—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और सक्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का.सं. 673/303/88-सी. सु.-VIII तारीख 12-8-1988 यह निदेश देते हुए, जारी किया या कि श्री जयान्तिलाल धूपजा, म्युनिसिपल बिल्डिंग, दूसरा माला, कमरा नं. 49, शुक्लाजी स्ट्रीट बम्बई-400006 का केन्द्रीय जेल बम्बई में निरुद्ध कर लिया जाये और प्रतिरक्षा में रखा जाये ताकि उसे विदेशी मुद्रा का प्रभिवृद्धि के लिए हानिकारक किसी भी कार्य को करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर पुलिस महाविभाग बम्बई के समक्ष हजरि हो।

[का.सं. 673/303/88-सी.सु.-VIII]

S.O. 296.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/303/88-CUS.VIII dated 12-8-1988 under the said sub-section directing that Shri Jayantilal Dhupaji, Municipal Building, 2nd Floor, Room No. 49, Shukalaji Street, Bombay-400006, be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/303/88-CUS.VIII]

का.सं. 297—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और सक्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52)

की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का.सं. 673/234/88-सी. सु.-VIII, तारीख 20-5-1988 यह निदेश देते हुए जारी किया या कि श्री अनिल कुमार महाजन पुत्र श्री ब्रिजमोहन महाजन, निवासी 3771, गुरुनानक नगर, बटाला रोड, अमृतसर की केन्द्रीय जेल अमृतसर में निरुद्ध कर लिया जाये और प्रतिरक्षा में रखा जाये ताकि उसे विदेशी मुद्रा का प्रभिवृद्धि के लिए हानिकारक किसी भी कार्य को करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर पुलिस महाविभाग, पंजाब, चंडीगढ़ के समक्ष हजरि हो।

[का.सं. 673/234/88-सी.सु.-VIII]

स.के.चौधरी, अधर सचिव

S.O. 297.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/234/88-CUS.VIII dated 20-5-1988 under the said sub-section directing that Shri Anil Kumar Mahajan, son of Shri Brij Mohan Mahajan, resident of 3771, Guru Nanak Nagar, Batala Road, Amritsar, be detained and kept in custody in the Central Prison, Amritsar with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the D. G. Police, Punjab Chandigarh within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/234/88-CUS.VIII]

S. K. CHOWDHRY, Under Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

वर्ग विल्ली, 6 फरवरी, 1989

का. सं. 298—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 15 फरवरी, 1989 में प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, कोयला विभाग की अधिसूचना का. सं. 578 तारीख 29 जनवरी, 1986 द्वारा, उस अधिसूचना से उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिसर में 4504.87 एकड़ (लगभग) या 2632.431 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने प्राण्य की सूचना दी थी।

और केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं. का. सं. 1000 तारीख 3 मार्च, 1988 द्वारा, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन 15 फरवरी, 88 से जारी होने वाली एक वर्ष की और अर्थात् को उस अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट किया था, जिसके भीतर केन्द्रीय सरकार अथवा भूमियों या ऐसी भूमि में या उन पर के किसी अधिकार का अर्जन करने के अपने प्राण्य की सूचना दे सकेगी।

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त भूमि के किसी भाग में कोयला अभिप्राय है।

(भूमि भूमि)

| क्रम | कम्पाटमेंट सं. | रज | विर्गीकरण | क्षेत्र हैक्टर में | टिप्पण |
|------|----------------|--------|---------------|--------------------|-----------------|
| 1. | 55 XXIX | बुरहूर | दक्षिण गहड़ोल | 183.730 | भाग |
| 2. | 56 XXIX | बुरहूर | दक्षिण गहड़ोल | 130.530 | भाग |
| 3. | 57 XVII | बुरहूर | दक्षिण गहड़ोल | 42.080 | संपूर्ण |
| 4. | 58 XVIII | बुरहूर | दक्षिण गहड़ोल | 83.760 | संपूर्ण |
| 5. | 59 IX | बुरहूर | दक्षिण गहड़ोल | 250.900 | संपूर्ण |
| 6. | 60 VII | बुरहूर | दक्षिण गहड़ोल | 107.214 | भाग |
| | | | | योग : | 718.214 |
| | | | | | हैक्टर (लगभग) * |

कुल योग : 2081.674 हैक्टर (लगभग)

या 5143.920 एकड़ (लगभग)

भाग गहड़ोल में अर्जित किये जाने वाले प्लॉट संख्यांक (भाग)

230 (भाग), 231 (भाग), 232 से 235, 236 (भाग), 237 (भाग), 240 (भाग), 241, 242 (भाग), 243 से 247, 249 (भाग), 249 (भाग), 251 (भाग), 253 (भाग), 254 (भाग), 255 (भाग), और 291 (भाग)

भाग मोपालपुर में अर्जित किये जाने वाले प्लॉट संख्यांक (भाग)

13 (भाग), 15 (भाग), 28 (भाग), 51 (भाग), 53 (भाग), 54 से 57, 58 (भाग), 59 (भाग), 60 से 124, 125 (भाग), 126 से 128, 129 (भाग), 130 से 131, 132 (भाग), 133 (भाग), 142 (भाग), 145 (भाग), 146, 147 (भाग), 148 (भाग), 149, 154 (भाग), 155 से 168, 169 (भाग), 170 से 206, 207 (भाग), 208 (भाग), 209 (भाग), 211 (भाग), 212 (भाग), 213 (भाग), 214 (भाग), 237 (भाग), 238 से 240, 241 (भाग), 242 (भाग), 243 (भाग), 244, 245 (भाग), 246 (भाग), 247 से 270, 271 (भाग), 274 (भाग), 276 (भाग), 256/381 और 167/383 (भाग) :

भाग करकटी में अर्जित किये जाने वाले प्लॉट संख्यांक (भाग) :

1 से 123, 124 (भाग), 128 (भाग), 129, 130, 131 (भाग), 132, 133 (भाग), 134 से 252, 253 (भाग), 254 (भाग), 255 (भाग), 256 से 273, 274 (भाग), 275 (भाग), 276 (भाग), 277 से 290, 291 (भाग), 292 (भाग), 293 (भाग), 305 (भाग), 306 (भाग), 307 (भाग), 308, 309 (भाग), 336 (भाग), 337 (भाग), 338 (भाग), 339 से 341, 342 (भाग), 343 (भाग), 345 (भाग), 346 से 354, 355 (भाग), 360 (भाग), 469 (भाग), 471 (भाग), 473 (भाग), 479 (भाग), 756 (भाग), 757 (भाग), 758, 759, 760 (भाग), 719/735, 185/766 और 62/768 :

भाग देवगढ़ में अर्जित किये जाने वाले प्लॉट संख्यांक (भाग)

18 (भाग), 19, 20 (भाग), 21 (भाग), और 22 (भाग) :

भाग सिरौसा में अर्जित किये जाने वाले प्लॉट संख्यांक (भाग) :

1 से 99, 100 (भाग), 101 से 110, 111 (भाग), 112 (भाग), 113 से 114, 115 (भाग), 116 से 220, 221 (भाग), 222 (भाग), 223 (भाग), 224 (भाग), 225 (भाग), 226 (भाग), 227 से 236, 237 (भाग), 238, 239 (भाग), 240 से 248, 249 (भाग), 250 (भाग), 251 (भाग), 252 से 257, 258 (भाग), 259 (भाग), 260 (भाग), 261 (भाग), 262 (भाग), 263 (भाग), 264 (भाग), 265 (भाग), 271 (भाग), 357 (भाग), 358 (भाग), 359 (भाग), 365 (भाग), 399 (भाग), 400, 401 (भाग), 402 (भाग), 403 (भाग), 404 (भाग), 405, 406 (भाग), 407 से 409, 410 (भाग), 411 (भाग), 412 और 413 (भाग) :

भाग बरतार में अर्जित किये जाने वाले प्लॉट संख्यांक (भाग) :

310 (भाग), 314 (भाग), 315 (भाग), 316 (भाग), 374 (भाग), 375 से 394, 395 (भाग), 396 (भाग), 397 (भाग), 398 (भाग), 399 (भाग), 400 (भाग), 401 (भाग), 405 (भाग), 406 (भाग), 407 (भाग), 408 (भाग), 409 से 448, 574 से 578, 584 से 588, 589 (भाग), 594 से 596, 601 (भाग), 619 से 1039, 1044 से 1059, 1060 (भाग), 1061 से 1064, 1065 (भाग), 1066 (भाग), 1067 से 1085, 1104, 1105 (भाग), 1106 (भाग), 1107 (भाग), 1108 (भाग), 1143 (भाग), 1144 (भाग), 1145 (भाग), 1146 (भाग), 1147 (भाग), 1154 (भाग), 1155, 1156, 1157 (भाग), 1160 (भाग), 1161 (भाग), 1162 (भाग), 1167 (भाग), 1168 (भाग), 1170 (भाग), 1171 (भाग), 1172 से 1226, 1227 (भाग), 1228 से 1486, 1487 (भाग), 1488 (भाग), 1489 (भाग), 1490 से 1498, 1499 (भाग), 1500 (भाग), 1501, 1502, 1503 (भाग), 1510 (भाग), 1511 (भाग), 1512 (भाग), 1542 से 1546, 1547 (भाग), 1548 (भाग), 1549 से 1693, 736/1694, 703/1695, 1262/1696, 1262/1697, 1548/1698 (भाग), 1683/1699, 1693/1700, 826/1701 और 826/1702 :

भाग नौगढ़ में अर्जित किये जाने वाले प्लॉट संख्यांक (संपूर्ण)

1 से 622, 333/623, 437/624 और 128/626 :

ग्राम बलनपय में प्रजित किये जाने वाले प्लॉट संख्यांक (भाग)

617(भाग), 618(भाग), 619(भाग), 620(भाग), 621(भाग), 627(भाग), 797(भाग), 798(भाग), 799(भाग), 800(भाग), 801(भाग), 802, 803, 804(भाग), 805, 806(भाग), 807(भाग), 808, 809(भाग), 810(भाग), 812(भाग), 817(भाग), 840(भाग), 841(भाग), 844(भाग), 846(भाग), 847(भाग), 848(भाग), 849(भाग), 850, 851(भाग), 852(भाग), 853(भाग), 854, 855(भाग), 856 से 907, 908(भाग), 909 से 1044, 1045(भाग), 1049(भाग), 1285(भाग), 1286 से 1300, 1301(भाग), 1302, 1303(भाग), 1308(भाग), 1309(भाग), 1310(भाग), 1311(भाग), 1312 से 1346, 1347(भाग), 1248(भाग), 1349(भाग), 1350(भाग), 1353(भाग), 1357(भाग), 1358(भाग), 1372(भाग), 1376(भाग), 1377(भाग), 1378(भाग), 1379 से 1618 और 1033/1620।

ग्राम छिरिहटी में प्रजित किये जाने वाले प्लॉट संख्यांक (भाग):

2(भाग), 32(भाग), 33(भाग), 34 से 37, 38(भाग), 39(भाग), 40, 41(भाग), 42(भाग), 44(भाग), 73(भाग), 74(भाग), 75(भाग), 76(भाग), 77(भाग), 78(भाग), 82(भाग), 83(भाग), 84(भाग), 85 से 409, 490(भाग), 491, 492, 493(भाग), 500(भाग), 501(भाग), 502(भाग), 503(भाग), 510(भाग), 511(भाग), 512(भाग), 513 से 523, 524(भाग), 527(भाग), 528 से 531, 532(भाग), 533 से 536, 537(भाग), 538(भाग), 639(भाग), 541 से 629, 715 से 748, 753(भाग), 763(भाग), 823, 33/826(भाग) और 33/827।

सीमा वर्णन:

- क-घ रेखा ग्राम ग्रहीरगवा में बिन्दु "क" से प्रारंभ होती है और प्लॉट सं. 251, 248, 249, 291 से गुजरती है और फिर ग्राम गोपालपुर में प्लॉट सं. 213, 212, 214, 211, 209, 208, 207 से होकर प्रसर होती है फिर फारेस्ट कम्पाटमेंट सं. 56 XXIX से होकर प्रसर होती है और फिर ग्राम काकरी में प्लॉट सं. 124, 128, 131, 133, 253, 479, 473 से होती हुई प्रसर होती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।
- ख-घ रेखा ग्राम करकटी में प्लॉट सं. 255, 471, 469, 309, 305, 307, 274, 275, 307, 276, 293, 391, 292, 236, 343, 345, 360, 355 से होकर गुजरती है, फिर फारेस्ट कम्पाटमेंट सं. 60 VII और प्लॉट सं. 758, 767, 760 से होकर गुजरती है फिर ग्राम देवगवा में प्लॉट सं. 22, 21, 20, 18 से होकर प्रसर होती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।
- ग-घ रेखा ग्राम देवगवा में फारेस्ट कम्पाटमेंट सं. 60 VII और प्लॉट सं. 264, 26, 264, 363, 262, 268, 261, 260, 259, 251, 250, 249, 239, 237, 226, 225, 224, 223, 222, 221, 115, 357, 358, 111, 359, 365, 100, 399, 401, 402, 403, 404, 406, 410, 411, 413 से होकर प्रसर होती है और ग्राम छिरिहटी में प्लॉट सं. 490, 493, 500, 501, 502, 503, 512, 511, 510, 524, 527, 532, 537, 538, 539 से होकर प्रसर होती है फिर प्लॉट सं. 539, 541, 542, 616 की पश्चिमी सीमा के ओर प्लॉट सं. 620, 621, 624, 629, 392, 715, 748 दक्षिणी सीमा के साथ-साथ फिर प्लॉट सं. 758, 763, 765 से होकर और फिर फारेस्ट कम्पाटमेंट सं. 58 XVIII की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ प्रसर होती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।
- घ-घ रेखा ग्राम छिरिहटी और कनडोहा की भागत सम्मिलित सीमा से होकर फिर छिरिहटी के प्लॉट सं. 796, 786, 788, 789, 74, 73, 75, 76, 77, 78, 84, 83, 82, 38, 39, 44, 46, 34, 2, 826 से होकर गुजरती है फिर ग्राम बलनपय में प्लॉट सं. 1285, 1303, 1311, 1310, 1309, 1308, 1349, 1348, 1350, 1346, 1363, 1357, 1358, 1372, 1378, 1391, 1376, 1045, 1049, 908, 840, 841, 844, 846, 847, 848, 849, 851, 852, 853, 855, 817, 809, 810, 807, 812, 806, 805, 801, 793, 797, 894 से होकर प्रसर होती है फिर ग्राम बरतला में प्लॉट सं. 1227 से होकर पुनः ग्राम बरतला में प्लॉट सं. 627, 621, 620, 619, 618, 617 से होती हुई पुनः ग्राम बरतला के प्लॉट सं. 1170, 1171, 1168, 1167, 1162, 1161, 1160, 1157, 1154, 1146, 114, 1060, 1144, 1143, 1065, 1066, 1107, 1105, 1106, 1105 से होकर प्रसर होती है और बिन्दु "ङ" पर मिलती है।
- ङ-घ रेखा ग्राम बरतला में प्लॉट सं. 1105, 1104, 1082, 1083, 1085, 1084, 1044 की उत्तरी सीमा के साथ फिर प्लॉट सं. 1028, 1029, 1034, 1039, पश्चिमी सीमा के साथ-साथ फिर प्लॉट सं. 1039, 1038, 1037, की उत्तरी सीमा के साथ-साथ और प्लॉट सं. 618, 625, 601, 596, 594, 589, 588, 584, 585, 678, 577, 574, 571, 448, 447, 439, 437, 385, 384, 383, 376, 375, 374, की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ प्रसर होती है और बिन्दु "च" पर मिलती है।
- च-घ रेखा ग्राम बरतला में प्लॉट सं. 374, 316, 315, 314, 310, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 408, 407, 406, 405, 1499, 401, 1500, 1512, 1501, 1510, 1503, 1499, 1488, 1467 से गुजरती है फिर फारेस्ट कम्पाटमेंट सं. 55 XXIX से होकर हुई प्लॉट सं. 1693, 1548, 1547 और ग्राम बरतला, चिटहवा गोपालपुर, चिटहवा की सम्मिलित सीमा से होती हुई गुजरती है और बिन्दु "ज" पर मिलती है।
- ज-घ रेखा ग्राम गोपालपुर में प्लॉट सं. 13, 59, 15, 53, 28, 51, 53, 125, 133, 132, 142, 129, 145, 147, 148, 169, 383, 154 से होती हुई गुजरती है फिर ग्राम ग्रहीरगवा में प्लॉट सं. 230, 231, 237, 236, 240, 255, 242, 254, 253, 251 से होकर गुजरती है और प्रारंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं. 43015/30/85-तो ए/एल एस डब्ल्यू]

बी. बी. राय, शवर सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 6th February, 1989

S.O. 298.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Coal S.O. 578 dated the 29th January, 1986 under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) and published in the Gazette of India in Part-II, Section-3 Sub-section (ii) dated 15th February, 1986, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 6504.87 acres (approximately) or 2632.431 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule annexed to that notification;

And whereas by the notification of the Government of India, Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 1000 dated the 3rd March, 1988 under sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government specified a further period of one year commencing from the 15th February, 1988 as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in a part of the said land;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win work and carry away minerals in the lands measuring 5143.92 acres (approximately) or 2081.674 hectares (approximately) described in the schedule appended hereto;

Note—1 : The plan bearing No. SFCL : BSP : GM-(PROJ) : LAND 37 dated 13th January, 1989 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Shahdol (Madhya Pradesh) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the South Eastern Coalfields Limited (Revenue Section), Seerai Road, Bilaspur-495001 (Madhya Pradesh).

Note—2 : Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the aforesaid Act which provides as follows :

OBJECTIONS TO ACQUISITION :

"8(1)—Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation :—

It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the Competent Authority in writing and the Competent Authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further enquiry, if any, as he thinks necessary, either makes a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceeding held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purpose of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or an right in or over such land were acquired under this Act".

Note 3 : The Coal Controller, 1, Council House Street Calcutta has been appointed by the Central Government as the Competent Authority under the Act."

SCHEDULE

KARKATI BLOCK

SOHAGPUR COALFIELD

DISTRICT SHAHDOL (MADHYA PRADESH)

MINING RIGHTS

(Revenue Land)

| S.No. | Village | General Number | Patwari Halka Number | Tahsil | District | Area in hectares | Remarks |
|-------|-----------|----------------|----------------------|----------|----------|------------------|---------|
| 1. | Ahiraawan | 29 | 100 | Sohagpur | Shahdol | 10.526 | Part. |
| 2. | Gopalpur | 254 | 100 | Sohagpur | Shahdol | 85.559 | Part. |
| 3. | Karkati | 72 | 99 | Sohagpur | Shahdol | 175.354 | Part. |
| 4. | Deogawan | 458 | 99 | Sohagpur | Shahdol | 00.279 | Part. |
| 5. | Siraunja | 988 | 99 | Sohagpur | Shahdol | 108.067 | Part. |
| 6. | Bartara | 676 | 91 | Sohagpur | Shahdol | 438.235 | Part. |
| 7. | Nongawan | 526 | 92 | Sohagpur | Shahdol | 208.648 | Full. |
| 8. | Khalnath | 771 | 92 | Sohagpur | Shahdol | 120.390 | Part. |
| 9. | Chbirhti | 316 | 99 | Sohagpur | Shahdol | 216.402 | Part. |
| Total | | | | | | 1363.460 | |

Hectares
(approximately)

(Forest Land)

| S. No. | Compartment Number | Range | Division | Area in hectares | Remarks |
|--------|--------------------|--------|---------------|-----------------------------|---------|
| 1. | 55 XXIX | Burhar | South Shahdol | 103.730 | Part. |
| 2. | 56 XXIX | Burhar | South Shahdol | 130.530 | Part. |
| 3. | 57 XVII | Burhar | South Shahdol | 42.080 | Full. |
| 4. | 58 XVIII | Burhar | South Shahdol | 83.760 | Full. |
| 5. | 59 XIX | Burhar | South Shahdol | 250.900 | Full. |
| 6. | 60 VII | Burhar | South Shahdol | 107.214 | Part. |
| Total | | | | 718.214 | |
| | | | | Hectares (approximately) | |

Grand Total : 2081.674 Hectares (approximately)

OR

5143.920 Acres (approximately)

Plot numbers to be acquired in Village A'ingawan (Part).

230 (P), 231 (P), 232 to 235, 236(P), 237(P), 240(P), 241, 242(P), 243 to 247, 248(P), 249(P), 251(P), 253(P), 254(P), 255(P), and 291(P).

Plot numbers to be acquired in village Gopalpur (Part.)

13(P), 15(P), 28(P), 51(P), 53(P), 54 to 57, 58(P), 59 (P), 60 to 124, 125(P), 126 to 128, 129(P), 130 to 131, 132(P), 133(P), 142(P), 145(P), 146, 147(P), 148(P), 149, 154(P), 155 to 168, 169(P), 170 to 206, 207(P), 208(P), 209(P), 211(P), 212(P), 213(P), 214(P), 237(P), 238 to 240, 241(P), 242(P), 243(P), 244, 245(P), 246(P), 247 to 270, 271(P), 274(P), 276(P), 256/381, and 167/383(P).

Plot numbers to be acquired in village Karkati k(Part).

1 to 123, 124(P), 128(P), 129, 130, 131(P), 132, 133(P), 134 to 252, 253(P), 254(P), 255(P), 256 to 273, 274(P), 275(P), 276(P), 277 to 290, 291(P), 292(P), 293(P), 305(P), 306(P), 307(P), 308, 309(P), 336(P), 337(P), 338(P), 339 to 341, 342 (P), 343(P), 345(P), 346 to 354, 355(P), 360(P), 469(P), 471(P), 473(P), 479(P), 755(P), 757(P), 758, 759, 760(P), 219/765, 185/766 and 62/768.

Plot numbers to be acquired in village Deogawan (Part).

18(P), 19, 20(P), 21(P), and 22(P).

Plot numbers to be acquired in village Siraunja (Part).

1 to 99, 100(P), 101 to 110, 111(P), 112(P), 113 to 114, 115(P), 116 to 220, 221(P), 222(P), 223(P), 224(P), 225(P), 226(P), 227 to 236, 237(P), 238 239(P), 240 to 248, 249(P), 250(P), 251(P), 252 to 257, 258(P), 259(P), 260(P), 261(P), 262(P), 263(P), 264(P), 265(P), 271(P), 357(P), 358(P), 359(P), 365(P) 399(P), 400, 401(P), 402(P), 403(P), 404(P), 405, 406(P), 407 to 409, 410(P), 411(P), 412 and 413(P).

Plot numbers to be acquired in village Bartara (Part).

310(P), 314(P), 315(P), 316(P), 374(P), 375 to 394, 395(P), 396(P), 397(P), 398(P), 399(P), 400(P), 401(P), 405(P), 405(P), 407(P), 408(P), 409 to 488, 574, to 578, 584 to 583, 589(P), 594 to 596, 601(P), 619 to 1039, 1044 to 1059, 1060(P), 1061 to 1064, 1065(P), 1066(P), 1067 to 1085, 1104 1105(P), 1106(P), 1107(P), 1108(P), 1143(P), 1144(P), 1145(P), 1146(P), 1147(P), 1154(P), 1155, 1156, 1157(P), 1160(P), 1161(P), 1162(P), 1167(P), 1168(P) 1170(P), 1171(P), 1172 to 1226, 1227(P), 1228 to 1486, 1487(P), 1488(P), 1489(P), 1490 to 1498, 1499(P), 1500(P), 1501, 1502, 1503(P), 1510(P), 1511(P), 1512(P), 1542 to 1546, 1547(P), 1548(P), 1549 to 1693, 736/1694, 793/1695, 1262/1696, 1262/1697, 1548/1698(P), 1683/1699, 1693/1700, 826/1701, and 826/1702.

Plot numbers to be acquired in village Naugawan (Full).

1 to 622, 333/623, 437/624 and 128/625.

Plot numbers to be acquired in village Khalnath (Part).

617(P), 618(P), 619(P), 620(P), 621(P), 627(P), 797(P), 798(P), 799(P), 800(P), 801(P), 802, 803, 804(P), 805, 806(P), 807(P), 808, 809(P), 810(P), 812(P), 817(P), 843(P), 841(P), 844(P), 846(P), 847(P), 848(P), 849(P), 850, 851(P), 852(P), 853(P), 854, 855(P), 856 to 907, 908(P), 909 to 1044, 1045(P), 1049(P), 1285 (P), 1286 to 1300, 1310(P), 1302, 1303(P), 1308(P), 1309(P), 1310(P), 1311(P), 1312 to 1346, 1347(P), 1348(P), 1349(P), 1350(P), 1353(P), 1357(P), 1358(P), 1372(P), 1376(P), 1377(P), 1378(P), 1379 to 1618 and 1033/1620.

Plot numbers to be acquired in village Chhirihti (part).

2(P), 32(P), 33(P), 34 to 37, 38(P), 39(P), 40, 41(P), 42(P), 44(P), 73(P), 74(P), 75(P), 76(P), 77(P), 78(P), 82(P), 83(P), 84(P), 85 to 489, 490(P), 491, 492, 493(P), 500(P), 501(P), 502(P), 503(P), 510(P), 511(P), 512(P), 513 to 523, 524(P), 527(P), 528 to 531, 532(P), 533 to 536, 537(P), 538(P), 539(P), 541 to 629, 715 to 748, 758(P), 763(P), 764, 765(P), 786(P), 788 (P), 789(P), 796(P), 592/820, 422/825, 33/826(P), and 33/827.

Boundary Description:

- A—B** Line starts from point 'A' in village Ahirgawan and passes through plot numbers 251, 248, 249, 291, and then proceeds in village Gopalpur through plot numbers 213, 212, 214, 211, 209, 208, 207, then through Forest Compartment number 56 XXIX and through plot numbers 237, 241, 242, 243, 245, 246, 276, 274, 271 and proceeds in village Karkati through plot numbers 124, 128, 131, 133, 253, 479, 473 and meets at point 'B'.
- B—C** Line passes in village Karkati through plot numbers 255, 471, 469, 309, 306, 305, 307, 274, 275, 307, 276, 293, 291, 292, 336, 343, 345, 360, 305 then through Forest compartment number 60 VII and through plot numbers 756, 757, 760 then proceeds in village Deogawan through plot numbers 22, 21, 20, 18 and meets at point 'C'.
- C—D** Line passes in village Deogawan through Forest compartment number 60 VII then proceeds in villages Siraunja through Forest compartment number 60 VII and through plot numbers 264, 265, 264, 261, 262, 258, 261, 260, 259, 251, 250, 249, 239, 237, 226, 225, 224, 223, 222, 221, 115, 357, 358, 111, 359, 365, 100, 399, 401, 402, 403, 404, 406, 410, 411, 413, and proceeds in village Chhirihti through plot numbers 490, 493, 500, 501, 502, 503, 512, 511, 510, 524, 527, 532, 537, 538, 539, then western boundary of plot numbers 539, 541, 542, 616, and southern boundary of plot numbers 620, 621, 624, 629, 392, 715, 748 then through plot numbers 758, 763, 765, and then along the southern boundary of Forest compartment number 58 XVIII and meets at point 'D'.
- D—E** Line passes partly common boundary of Chhirihti and Kandauha then through plot numbers 796, 786, 788, 789, 74, 73, 75, 76, 77, 78, 84, 83, 82, 38, 39, 44, 42, 32, 2, 826 of village Chhirihti then proceeds in village Khalnath through plot numbers 1285, 1303, 1311, 1310, 1309, 1303, 1349, 1348, 1350, 1347, 1353, 1357, 1358, 1372, 1378, 1371, 1376, 1045, 1049, 908, 840, 841, 844, 846, 847, 848, 849, 851, 852, 853, 855, 817, 809, 810, 807, 812, 806, 805, 801, 798, 797, 804 then proceeds in village Bartara through plot number 1227 again proceeds in village Khalnath through plot numbers 627, 621, 620, 619, 618, 617 again proceeds in village Bartara through plot numbers 1170, 1171, 1168, 1167, 1162, 1161, 1160, 1157, 1154, 1146, 1145, 1060, 1144, 1143, 1065, 1066, 1107, 1105, 1106, 1105 and meets at point 'E'.
- E—F** Line passes in village Bartara along northern boundary of plot numbers 1105, 1104, 1082, 1083, 1085, 1084, 1044, then western boundary of plot numbers 1028, 1029, 1034, 1039 then northern boundary of plot numbers 1039, 1038, 1037 and western boundary of plot numbers 619, 625, 601, 596, 594, 589, 588, 584, 585, 578, 577, 574, 571, 448, 447, 438, 437, 385, 384, 383, 376, 375, 374 and meets at point 'F'.
- F—G—H** Line passes in village Bartara through plot numbers 374, 316, 315, 314, 310, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 408, 407, 406, 405, 1499, 401, 1500, 1512, 1501, 1510, 1503, 1489, 1488, 1487, then through Forest compartment number 55 XXIX and through plot numbers 1698, 1548, 1547, then common boundary of villages Bartara-Chituhla, Gopalpur-Chituhla and meets at point 'H'.
- H—A** Line passes in village Gopalpur through plot numbers 13, 59, 15, 58, 28, 51, 53, 125, 133, 132, 142, 129, 145, 147, 148, 169, 383, 154, then proceeds in village Ahirgawan through plot numbers 230, 231, 237, 236, 240, 255, 242, 254, 253, 251 and meets at the starting point 'A'.

[No. 43015/30/85—CA/LSW]

B.B. RAO, Under Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 13th January, 1989

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1989

का.आ. 299.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन सुन में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय को अधिपूवना का. आ. सं. 1901 तारीख 8-6-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उन अधिपूवना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को प्राप्त लाइनों को विछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सभ्य अधिकारों ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देनी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात् इस अधिपूवना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय लिया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिपूवना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार प्राप्त लाइन विछाने के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्णय देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार से निहित होने की बात बताने के लिए और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी जायाओं से मुक्त रूप से, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

गंधार से धुवरण तक पाइप लाइन विछाने के लिए

| राज्य : गुजरात | ज़िला : बड़ोदरा | तापुका : गंधार | | | |
|----------------|-----------------|----------------|--------------------|----|----|
| गांव | ब्लॉक नं. | सर्वे नं. | हेक्टर और सेन्टीयर | | |
| मोभा | 670 ए | 775 | 0 | 06 | 00 |
| | | 773 | 0 | 03 | 50 |
| | 670 बी | 816 | 0 | 03 | 50 |
| | 673 | 812 | 0 | 06 | 80 |
| | 676 | 593 | 0 | 02 | 50 |
| | | 595 | 0 | 03 | 00 |
| | 663 | 594 | 0 | 10 | 60 |
| | 662 | 590 | 0 | 07 | 90 |
| | 661 | 589 | 0 | 03 | 50 |
| काटे ट्रेक | काटे ट्रेक | 0 | 00 | 60 | 60 |
| | 553 | 491 | 0 | 10 | 00 |
| | | 499 | 0 | 06 | 00 |
| | 562 | 498 | 0 | 07 | 70 |
| | 557 | 497 | 0 | 07 | 30 |
| | 557 | 495 | 0 | 05 | 80 |
| काटे ट्रेक | काटे ट्रेक | 0 | 00 | 70 | 70 |

[सं. प्रो.-11027/142/88-प्रोएनजी डी-III]

S.O. 299.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 1901 dated 8-6-88 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And further whereas the Central Government has, after section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Gandhar to Dhuvaren

State : Gujarat Dist. : Vadodara Taluka : Padra

| Village | Block No. | Survey No. | Hectare | Centiare |
|---------|------------|------------|---------|----------|
| Mobha | 670 A | 775 | 0 | 06 |
| | | 773 | 0 | 03 |
| | 670 B | 816 | 0 | 03 |
| | 673 | 812 | 0 | 06 |
| | 672 | 813 | 0 | 00 |
| | 676 | 593 | 0 | 02 |
| | | 595 | 0 | 03 |
| | 663 | 594 | 0 | 10 |
| | 662 | 590 | 0 | 07 |
| | 661 | 589 | 0 | 03 |
| | Cart track | Cart track | 0 | 00 |
| | 553 | 491 | 0 | 10 |
| | | 499 | 0 | 06 |
| | 562 | 498 | 0 | 07 |
| | 556 | 497 | 0 | 07 |
| | 557 | 495 | 0 | 05 |
| | Cart track | Cart track | 0 | 00 |

[N.O. 11027/142/88-ONG-D.III]

का.आ. 300.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन सुन में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय को अधिपूवना का. आ. सं. 472 तारीख 1-2-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उन अधिपूवना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को प्राप्त लाइनों को विछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यह: महाम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्टें दे दी हैं।

और आगे, यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्टें पर विचार करने के पश्चात् इन अधिसूचना से सम्बन्ध अनुपूर्वों में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विचार किया है।

यह, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इन अधिसूचना में सम्बन्ध अनुपूर्वों में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार प्राप्त लाइन बिछाने के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्णय देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बराबर तेज और प्राकृतिक गैस लाइनों में, तथा सड़कों में बुराई के मरम्मत के प्रकाशन की इन लाइनों को निहित होगा।

अनुपूर्व

गांधार से धुवरान तक सड़क लाइन बिछाने के लिए

| राज्य — गुजरात | जिला — वडोदरा | तहसील — पदरा | | |
|----------------|---------------|--------------|----|-----------|
| गांव | ब्लॉक नं. | इंक्वार्टर | अर | सेंटिमिटर |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| अभोल | 285 | 0 | 25 | 34 |
| | 287 | 0 | 05 | 98 |
| | 284 | 0 | 01 | 75 |
| | 288 | 0 | 22 | 70 |
| | 316 | 0 | 00 | 56 |
| | 315 | 0 | 32 | 43 |
| | 314 | 0 | 55 | 04 |
| | 313 | 0 | 03 | 00 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 02 | 55 |
| | 312 | 0 | 19 | 05 |
| | 335 | 0 | 48 | 90 |
| | 336 | 0 | 15 | 60 |
| | 337 | 0 | 10 | 03 |
| | 338 | 0 | 00 | 25 |
| | 340 | 0 | 18 | 05 |
| | 339 | 0 | 27 | 00 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 03 | 60 |
| | 249 | 0 | 48 | 65 |
| | 342 | 0 | 21 | 75 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 03 | 90 |
| | 42 | 0 | 20 | 40 |
| | 41 | 0 | 15 | 75 |
| | 43 | 0 | 16 | 50 |
| | 45 | 0 | 33 | 30 |
| | 44 | 0 | 06 | 27 |
| | 52 | 0 | 56 | 04 |
| | 54 | 0 | 01 | 56 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 03 | 00 |
| | 30 | 0 | 38 | 55 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------|-------------|---|----|----|
| अभोल | 61 | 0 | 44 | 88 |
| | 27 | 0 | 03 | 50 |
| | 63 | 0 | 03 | 42 |
| | 62 | 0 | 31 | 05 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 13 | 60 |
| | 754 | 0 | 09 | 78 |
| | 753 | 0 | 54 | 75 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 02 | 70 |
| | 751 | 0 | 24 | 60 |
| | 740 | 0 | 39 | 60 |
| | 739 | 0 | 24 | 35 |
| | 723 | 0 | 00 | 57 |
| | 727 | 0 | 35 | 54 |
| | 728 | 0 | 00 | 24 |
| | 730 | 0 | 31 | 05 |

[सं. ओ.-11027/36/88- कोएनजी-जे III]

S.O. 300.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 472 dated 1-2-88 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline:

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Gandhar to Dhuvaran

State : Gujarat District : Vadodra Taluka : Padra

| Village | Block No. | Hectare | Ac | Centiare |
|---------|------------|---------|----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| Abhol | 285 | 0 | 25 | 34 |
| | 287 | 0 | 05 | 98 |
| | 284 | 0 | 01 | 75 |
| | 288 | 0 | 22 | 70 |
| | 316 | 0 | 00 | 56 |
| | 315 | 0 | 32 | 43 |
| | 314 | 0 | 55 | 04 |
| | 313 | 0 | 03 | 00 |
| | Cart track | 0 | 02 | 55 |
| | 312 | 0 | 19 | 05 |
| | 335 | 0 | 48 | 90 |
| | 336 | 0 | 15 | 60 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|------------|---|----|----|
| | 337 | 0 | 10 | 08 |
| | 338 | 0 | 00 | 25 |
| | 340 | 0 | 18 | 05 |
| | 339 | 0 | 27 | 00 |
| | Cart track | 0 | 03 | 61 |
| | 249 | 0 | 46 | 65 |
| | 342 | 0 | 21 | 75 |
| | Cart track | 0 | 03 | 90 |
| | 42 | 0 | 20 | 40 |
| | 41 | 0 | 15 | 75 |
| | 43 | 0 | 16 | 50 |
| | 45 | 0 | 33 | 30 |
| | 344 | 0 | 06 | 27 |
| | 52 | 0 | 56 | 04 |
| | 52 | 0 | 56 | 04 |
| | 54 | 0 | 01 | 56 |
| | Cart track | 0 | 03 | 00 |
| | 30 | 0 | 33 | 55 |
| | 61 | 0 | 44 | 88 |
| | 27 | 0 | 03 | 50 |
| | 63 | 0 | 03 | 42 |
| | 62 | 0 | 31 | 05 |
| | Cart track | 0 | 13 | 60 |
| | 754 | 0 | 0 | 78 |
| | 753 | 0 | 54 | 75 |
| | Cart track | 0 | 02 | 70 |
| | 751 | 0 | 24 | 60 |
| | 740 | 0 | 39 | 60 |
| | 739 | 0 | 24 | 35 |
| | 723 | 0 | 00 | 56 |
| | 727 | 0 | 35 | 54 |
| | 728 | 0 | 31 | 04 |

[N.J. O-11027/36/88-ONG-D.III]

का. आ. 301.—यत्: पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1907 तारीख 18-6-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यत्: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यत्: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् हम अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः : उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इन अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची.
के. एन. के. फेम II की पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिन्हा : अहमदाबाद तालुका : कपारोई

| गांव | ब्लाक नं. | हेक्टेयर | भार | सेन्टीयर |
|------|-----------|----------|-----|----------|
| 1 | 3 | 3 | 4 | 5 |
| | 670 | 0 | 19 | 00 |
| | काटे टूक | 0 | 00 | 70 |
| | 57 | 0 | 02 | 80 |
| | 55 | 0 | 12 | 55 |
| | 58 | 0 | 44 | 95 |
| | 59 | 0 | 06 | 90 |
| | 60 | 0 | 15 | 40 |
| | 62 | 0 | 18 | 50 |
| | 61 | 0 | 09 | 50 |
| | 128 | 0 | 11 | 70 |
| | 127 | 0 | 01 | 30 |
| | 124 | 0 | 00 | 34 |
| | 126 | 0 | 02 | 36 |
| | 125 | 0 | 01 | 40 |
| | 122 | 0 | 10 | 30 |
| | 121 | 0 | 04 | 90 |
| | 120 | 0 | 05 | 40 |
| | 119 | 0 | 09 | 10 |
| | 116 | 0 | 08 | 60 |
| | 143 | 0 | 12 | 06 |
| | 144 | 0 | 16 | 10 |
| | 162 | 0 | 10 | 00 |
| | 163 | 0 | 11 | 10 |
| | 181 | 0 | 08 | 60 |
| | 180 | 0 | 10 | 50 |
| | 183 | 0 | 07 | 50 |
| | 184 | 0 | 09 | 10 |

[सं.ओ.- 11027/132/88-ओएनजी-डी III]

S.O. 301.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 1907 dated 8-6-88 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the

right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pip. line for K.N.R. Pios. II.

| State : Gujarat | District : Ahmedabad | Taluka : Dargam | | |
|-----------------|----------------------|-----------------|-----|----------|
| Village | Block No. | Hectare | Ac. | Centiare |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| OAD | 670 | 0 | 19 | 00 |
| | Cart track | 0 | 00 | 70 |
| | 57 | 0 | 02 | 80 |
| | 55 | 0 | 12 | 55 |
| | 53 | 0 | 44 | 95 |
| | 59 | 0 | 06 | 90 |
| | 63 | 0 | 15 | 40 |
| | 62 | 0 | 18 | 50 |
| | 61 | 0 | 09 | 50 |
| | 128 | 0 | 11 | 70 |
| | 27 | 0 | 0 | 30 |
| | 124 | 0 | 00 | 34 |
| | 126 | 0 | 02 | 36 |
| | 125 | 0 | 01 | 40 |
| | 122 | 0 | 10 | 30 |
| | 121 | 0 | 04 | 90 |
| | 120 | 0 | 05 | 40 |
| | 119 | 0 | 09 | 10 |
| | 116 | 0 | 08 | 60 |
| | 143 | 0 | 12 | 00 |
| | 144 | 0 | 07 | 20 |
| | 155 | 0 | 10 | 10 |
| | 162 | 0 | 10 | 00 |
| | 163 | 0 | 11 | 10 |
| | 181 | 0 | 06 | 60 |
| | 180 | 0 | 10 | 50 |
| | 183 | 0 | 07 | 50 |
| | 184 | 0 | 09 | 10 |

[No. O-11027/132/88-ONG-D. III]

का. आ. 302.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अर्जन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1902 तारीख 8-6-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार कोपड़ाना जारी हो विधान के लिए अर्जन करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अर्जन सरकार को रिपोर्ट देते हैं।

और अतः यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जन करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा पदमन्त्रि का पयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इन अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के लिए अर्जन किया जाता है।

और अतः उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेदन देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बात यह कि और प्राकृतिक गैस अधिनियम में मदी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगी।

अनुसूची

के. एन. के. फेस II की पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : खेडा तालुका : नार्डीपाद

| गांव | इ.क.नं. | हेक्टेयर | अ.क. | सेन्टि.अ. |
|--------|---------|----------|------|-----------|
| रामपुर | 104 | 0 | 08 | 50 |
| | 101 | 0 | 06 | 20 |
| | 109 | 0 | 00 | 35 |
| | 111 | 0 | 04 | 40 |
| | 90 | 0 | 05 | 00 |
| | 116 | 0 | 01 | 70 |
| | 80 | 0 | 13 | 80 |
| | 88 | 0 | 06 | 20 |
| | 180 | 0 | 11 | 40 |
| | 185 | 0 | 06 | 00 |
| | 184 | 0 | 02 | 40 |
| | 195 | 0 | 10 | 10 |
| | 191 | 0 | 01 | 30 |
| | 193 | 0 | 15 | 00 |
| | 222 | 0 | 00 | 25 |
| | 221 | 0 | 10 | 00 |
| | 247 | 0 | 00 | 50 |
| | 246 | 0 | 09 | 00 |
| | 248 | 0 | 03 | 60 |

[ग. ओ. 11027/138/88-अंग.जी डी III]

S.O. 302.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 1902 dated 8-6-88 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline for K.N.K. Phase II.

| State : Gujarat District : Kheda Taluka : Nadiad | | | | |
|--|-----------|---------|------|----------|
| Village | Block No. | Hectare | Acre | Centiare |
| Rampur | 104 | 0 | 08 | 50 |
| | 101 | 0 | 06 | 20 |
| | 109 | 0 | 00 | 35 |
| | 111 | 0 | 04 | 40 |
| | 90 | 0 | 05 | 00 |
| | 116 | 0 | 01 | 70 |
| | 89 | 0 | 13 | 80 |
| | 88 | 0 | 06 | 20 |
| | 180 | 0 | 11 | 40 |
| | 185 | 0 | 06 | 00 |
| | 186 | 0 | 02 | 40 |
| | 195 | 0 | 10 | 10 |
| | 194 | 0 | 01 | 30 |
| | 193 | 0 | 15 | 00 |
| | 222 | 0 | 00 | 25 |
| | 221 | 0 | 10 | 00 |
| | 247 | 0 | 00 | 50 |
| | 246 | 0 | 09 | 00 |
| | 248 | 0 | 08 | 60 |

[N.O. 11027/138/88-ONG-D. III]

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1989

क.आ. 303.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक-हित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में खन्वा जी. जी. एम. I से खन्वा जी. जी. एम. III तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एनर्वाइज्ड अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवर्तित शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एनर्वाइज्ड घोषित किया है।

वर्णित कि उक्त भूमि में हितवन्त कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप, मक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग और निर्माण और वेष्टनाल पञ्चाय, भकरपुरा रोड, बडौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वांछित है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी के मार्फत।

अनुसूची

खन्वा जी. जी. एम. I से खन्वा जी. जी. एम. III तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य - गुजरात जिला - मेहसाणा तालुका - चानसमा

| गांव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर. | सेन्टियर |
|-------------|-----------|----------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| खन्वा गाँवा | 9 | 0 | 13 | 05 |
| | 11 | 0 | 05 | 10 |
| | 10 | 0 | 00 | 50 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|------|---|----|----|
| | 22 | 0 | 08 | 80 |
| | 23 | 0 | 16 | 00 |
| | 34 | 0 | 04 | 00 |
| | 33 | 0 | 13 | 20 |
| | 47 | 0 | 00 | 00 |
| | 40/3 | 0 | 03 | 30 |
| | 42/1 | 0 | 11 | 45 |
| | 45 | 0 | 12 | 40 |
| | 44 | 0 | 10 | 40 |
| | 43 | 0 | 00 | 02 |

[सं. ओ - 11027/146/88 - ओ एन जी - डी - III]

New Delhi, the 24th January, 1989

S.O. 303.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Lanva GGS I to Lanva GGS III in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the said land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara, (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Lanva GG I to Lanva GGS III

| State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Chanasma | | | | |
|--|------------|---------|------|----------|
| Village | Survey No. | Hectare | Acre | Centiare |
| Multhaniya | 9 | 0 | 13 | 05 |
| | 11 | 0 | 05 | 10 |
| | 10 | 0 | 00 | 50 |
| | 22 | 0 | 08 | 80 |
| | 23 | 0 | 16 | 00 |
| | 34 | 0 | 04 | 00 |
| | 33 | 0 | 13 | 20 |
| | 47 | 0 | 09 | 00 |
| | 40/3 | 0 | 03 | 30 |
| | 42/1 | 0 | 11 | 45 |
| | 45 | 0 | 12 | 40 |
| | 44 | 0 | 10 | 40 |
| | 43 | 0 | 00 | 02 |

[N.O. 11027/146/88-ONGK-D.III]

का.भा. 304.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में चांदखेडा से रिलायन्स इंडस्ट्रीज तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के लिए एतदुपाय अतुल्य में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडीवा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी के माफ़त।

अनुसूची

चांदखेडा से रिलायन्स इंडस्ट्रीज तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।
राज्य—गुजरात जिला व तालुका—गांधीनगर

| गांव | ब्लॉक नं. | हेक्टेयर आर. | सेन्टीयर | |
|-------------|-----------|--------------|----------|----|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| अडालज | 1041 | 0 | 12 | 60 |
| | 1042 | 0 | 01 | 40 |
| | 1012 | 0 | 04 | 60 |
| | 1044 | 0 | 36 | 60 |
| | 1005 | 0 | 23 | 20 |
| | 1004 | 0 | 24 | 80 |
| | 998 | 0 | 09 | 25 |
| | 997 | 0 | 47 | 20 |
| | 1000 | 0 | 00 | 19 |
| | 1087 | 0 | 38 | 40 |
| | 1088 | 0 | 30 | 40 |
| | 1094 | 0 | 15 | 04 |
| कांटी ट्रैक | | 0 | 03 | 00 |

[सं. ओ-11027/152/88-ओ एन जी-डी.-III]

S.O. 304.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Chand Kheda to Reliance Ind. in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

214 GI/89—3

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the Pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Chandkheda to Reliance Ind.

State : Gujarat District & Taluka : Gandhinagar

| Village | Block No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| Adalaj | 1041 | 0 | 12 | 60 |
| | 1042 | 0 | 01 | 40 |
| | 1012 | 0 | 04 | 60 |
| | 1044 | 0 | 36 | 60 |
| | 1005 | 0 | 23 | 20 |
| | 1004 | 0 | 24 | 80 |
| | 998 | 0 | 09 | 25 |
| | 997 | 0 | 47 | 20 |
| | 1000 | 0 | 00 | 19 |
| | 1087 | 0 | 38 | 40 |
| | 1088 | 0 | 30 | 40 |
| | 1094 | 0 | 15 | 04 |
| | Cart track | 0 | 03 | 00 |

[No. O-11027/152/88-ONG-D. III]

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1989

का.भा. 305.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. भा. सं. 2829 तारीख 5-9-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिश्चित भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिश्चित भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिश्चित उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

SCHEDULE

पाइपलाइन से रिलायन्स इंडस्ट्रीज तक पाइपलाइन बिछाने के लिए।
राज्य - गुजरात जिला - व. ता. बूका - गोर्धनगर

| गांव | ब्लॉक नं. | शुद्ध क्षेत्र | आर. | सेन्टीयर |
|--------|-------------|---------------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| मुठीया | 287 | 0 | 09 | 00 |
| | 286 | 0 | 09 | 70 |
| | 285 | 0 | 10 | 70 |
| | 295 | 0 | 10 | 80 |
| | 296 | 0 | 12 | 10 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 01 | 40 |
| | 6 | 0 | 02 | 40 |
| | 5 | 0 | 06 | 30 |
| | 4 | 0 | 03 | 20 |
| | 30 | 0 | 01 | 75 |
| | 2 | 0 | 04 | 25 |
| | 31 | 0 | 06 | 00 |
| | 32 | 0 | 04 | 70 |
| | 33 | 0 | 06 | 70 |
| | 37 | 0 | 13 | 70 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 70 |
| | 96 | 0 | 35 | 80 |

[सं. ओ-11027/155/88-ओएनजी-डी-III]

के. विवेकानन्द, डी.एस. अधिकारी

New Delhi, the 25th January, 1989

S.O. 305.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 2829 dated 5-9-88 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 3 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

Pipeline from Chandkheda to Reliance Industries

| Village | Block No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| Muthiya | 287 | 0 | 09 | 00 |
| | 286 | 0 | 09 | 70 |
| | 285 | 0 | 10 | 70 |
| | 295 | 0 | 10 | 80 |
| | 296 | 0 | 12 | 10 |
| | Cart Track | 0 | 01 | 40 |
| | 6 | 0 | 02 | 40 |
| | 5 | 0 | 06 | 30 |
| | 4 | 0 | 03 | 20 |
| | 30 | 0 | 01 | 75 |
| | 2 | 0 | 04 | 25 |
| | 31 | 0 | 06 | 00 |
| | 32 | 0 | 04 | 70 |
| | 23 | 0 | 06 | 70 |
| | 37 | 0 | 13 | 70 |
| | Cart track | 0 | 00 | 70 |
| | 96 | 0 | 35 | 80 |

[No. O-11027/155/88-ONG-D.III]

K. VIVEKANAND, Desk Officer.

नई दिल्ली, 25 जनवरी 1989

क.आ.306.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 का उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना क.आ.सं.3294 तारीख 5-11-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः उक्त अधिकारों ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है;

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन के तारीख को निहित होगा।

अनुसूचित गांव अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जनपद | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा सं. | क्षेत्रफल |
|------------|------------|------------|--------|----------|-----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| कानपुर शहर | कानपुर शहर | कानपुर शहर | घिंजौर | 345 | 2-0-0 |

[सं. ओ-14016/117/85-जी पी]

New Delhi, the 25th January, 1989

S.O. 306.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3294 dated 5-11-88 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)

H.B.J. GAS PIPE LINE PROJECT

| District | Tahsil | Pargana | Village | Plot No. | Area in acres |
|-------------|-------------|-------------|---------|----------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Kanpur City | Kanpur City | Kanpur City | Bijnor | 345 | 2-0-0 |

[No. O-14016/117/85-GP]

का. आ. 307.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि बबराला से दिल्ली तक पेट्रोलियम पदार्थ लाने के लिए एच. बी. जे. पाइप लाइन परियोजना का विस्तार किया जाए। पाइप लाइन गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यह भी अनुभव करती है कि ऐसी पाइप लाइन बिछाने के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि में प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खंड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बेशर्त कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति मकसद प्राधिकारी गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड एच. बी. जे. पाइप लाइन परियोजना, विकास थीम बिल्डिंग, 22 स्टेशन रोड, लखनऊ-226019 उ. प्र. में दर्ज कर सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप में निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुपूरक बांध सूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला | तहसील | परगना | ग्राम | प्लॉट सं. | क्षेत्रफल |
|------------|---------|---------|---------|-----------|-----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| मुल्तानशहर | अनूपशहर | अनूपशहर | मलकापुर | 993 | .0350 |

[सं. ओ-14016/24/88-जी पी]

S.O. 307.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Babrala to Delhi an extension of HBJ Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd, HBJ Project, Vikas-deep Building, 22-Station Road, Lucknow-226019, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SUPPLEMENTARY CASE SCHEDULE

H.B.J. GAS PIPELINE PROJECT

| District | Tahsil | Pargana | Village | Plot No. | Area |
|--------------|-------------|-------------|----------|----------|-------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Buland Shahr | Anoop Shahr | Anoop Shahr | Malkapur | 993 | .0350 |

[No. O-14016/24/88-GP]

का. आ. 308.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि बबराला से दिल्ली तक पेट्रोलियम पदार्थ लाने के लिए एच. बी. जे. पाइप लाइन परियोजना का विस्तार किया जाए। पाइप लाइन गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यह भी अनुभव करती है कि ऐसी पाइप लाइन बिछाने के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खंड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड एच.बी.जे. पाइप लाइन परियोजना, विकास दीप बिल्डिंग, 22 स्टेशन रोड, लखनऊ 226019 उ.प्र. में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निदिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अपना विधि व्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुपूरक वाद सूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा | क्षेत्रफल |
|-----------|---------|---------|------------|------|-----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| बुलन्दशहर | अनूपशहर | अनूपशहर | बेगमपुर डक | 4 | .1070 |
| | | | जैरामपुर | 5 | .0130 |
| | | | 2 | | .1200 है |
| | | | | | या |
| | | | | | 0-9-10 |
| | | | | | बीघा |

[सं. ओ-14016/26/88-जी पी]

S.O. 308.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Babrala to Delhi an extension of HBJ Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd, HBJ Project, Vikas-deep Building, 22-Station Road, Lucknow-226019, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SUPPLEMENTARY CASE SCHEDULE

H.B.J. GAS PIPELINE PROJECT

| District | Tahsil | Pargana | Village | Plot No. | Area |
|----------|--------|---------|-----------|----------|---------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Buland | Anoop | Anoop | Begampur | 4 | .1070 |
| Shahar | Shahar | Shahar | urf | 5 | .0130 |
| | | | Jairampur | 2 | .1200 |
| | | | | | Hectare |
| | | | | | or |
| | | | | | 0-9-10 |
| | | | | | Bigha |

[No. O-14016/26/88-GP]

का.आ. 309 :—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि बबराला से दिल्ली तक पेट्रोलियम पवार्थ लाने के लिए एच.बी.जे. पाइप लाइन परियोजना का विस्तार किया जाए। पाइप लाइन गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यह भी अनुभव करती है कि ऐसी पाइप लाइन बिछाने के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50 के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एकद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की संज्ञा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड एच.बी.जे. पाइप लाइन परियोजना, विकास दीप बिल्डिंग, 22 स्टेशन रोड, लखनऊ 226019 उ.प्र. में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निदिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अपना विधि व्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जनपद | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा सं. | क्षेत्रफल/हैक्टर/एक |
|----------|-------|-------|---------|----------|------------------------------|
| | | | | | चकनं. पुरानी बीघा में संख्या |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| गजियाबाद | बाबरी | दादरी | सादोपुर | 18 | 0-0-800 |
| | | | | 125 | 001-50 |
| | | | | 123 | 0-0-060 |
| | | | | 3 | 0-0-810 |

[सं. ओ-14016/49/88-जी पी]

S.O. 309.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Babrala to Delhi an extension of HBJ Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd, HBJ Project, Vikas-deep Building, 22-Station Road, Lucknow-226019, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)

H.B.J. GAS PIPELINE PROJECT

| District | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Area in Hectare /Bigha |
|-----------|--------|---------|----------|----------|---------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Ghaziabad | Dadri | Dadri | Sadhapur | 18 | 0.0600 |
| | | | 125 | | 0.0150 |
| | | | | 123 | 0.0060 |
| | | | | 3 | 0.0810 |

[No. O-14016/49/88-GP]

का. आ. 310:—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि बबराला से दिल्ली तक पेट्रोलियम पदार्थ लाने के लिए एच.बी.जे. पाइप लाइन परियोजना का विस्तार किया जाए। पाइप लाइन गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यह भी अनुभव करती है कि ऐसी पाइप लाइन बिछाने के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उप खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड एच.बी.जे. पाइप लाइन परियोजना, विकास दीप बिल्डिंग, 22 स्टेशन रोड, लखनऊ-226019 उ.प्र. में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निविष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जनपद | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा नं. | क्षेत्रफल/ हेक्टर/एकड़ | चक नं. | पुरानी बीघा में संख्या |
|-----------|-------|-------|---------|----------|---------------------------|--------|------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | |
| गाजियाबाद | दादरी | दादरी | सलारपुर | 57 | 0.0280 | | |
| | | | कलान | 25 | 0.0630 | | |
| | | | | 2 | 0.0910 | | |

[सं. ओ-14016/51/88-जी पी]

S.O. 310.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Babrala to Delhi an extension of HBJ Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. HBJ Project, Vikas-deep Building, 22-Station Road, Lucknow-226019, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)

H.B.J. GAS PIPELINE PROJECT

| District | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Area in Hectare /Bigha |
|-----------|--------|---------|----------|----------|---------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Ghaziabad | Dadri | Dadri | Salarpur | 57 | 0.0280 |
| | | | Kalan | 25 | 0.0630 |
| | | | | 2 | 0.0910 |

[No. O-14016/51/88-GP]

का. आ. 311:—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि बबराला से दिल्ली तक पेट्रोलियम पदार्थ लाने के लिए एच.बी.जे. पाइप लाइन परियोजना का विस्तार किया जाए। पाइप लाइन गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यह भी अनुभव करती है कि ऐसी पाइप लाइन बिछाने के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उप खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड एच.बी.जे. पाइप लाइन परियोजना, विकास दीप बिल्डिंग, 22 स्टेशन रोड, लखनऊ 226019 उ.प्र. में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निदिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अपना विधि व्यवसाय के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच. बा. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जनपद | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा सं. | क्षेत्रफल/ हेक्टर/एकड़ |
|-----------|-------|-------|-------|----------|---------------------------|
| | | | | चक नं. | पुरानी बीघा में संख्या |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| गाजियाबाद | दादरी | दादरी | महावर | 62 | 0-5-0 |

[सं. ओ.-14016/57/88-जी पी]

S.O. 311.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Babrala to Delhi an extension of HBJ Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. HBJ Project, Vikasdeep Building, 22-Station Road, Lucknow-226019, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)

H.B.J. GAS PIPELINE PROJECT

| District | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Area in Hectare /Bigha |
|-----------|--------|---------|---------|----------|------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Ghaziabad | Dadri | Dadri | Mahawar | 62 | 0.5-0 |

[No. O-14016/57/88-GP]

आ. आ. 312.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि अबराला से दिल्ली तक पेट्रो-लियम पदार्थ लाने के लिए एच. बी. जे. पाइप लाइन परियोजना का विस्तार किया जाए। पाइप लाइन रीस अपारिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए;

और यह भी अनुभव करती है कि ऐसी पाइप लाइन बिछाने के लिए इसके साथ संलग्न त्रिकोणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है;

अतः पेट्रो-लियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार) ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उप खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की संज्ञा की घोषणा करती है:

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी रीस अपारिटी आफ इंडिया लिमिटेड एच. बी. जे. पाइप लाइन परियोजना, विकास दीप बिल्डिंग, 22 स्टेशन रोड, लखनऊ-226019 उ. प्र. में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निदिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अपना विधि व्यवसाय के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जनपद | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा सं. | क्षेत्रफल/ हेक्टर/ एकड़ बीघा में |
|-----------|-------|-------|----------|----------|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| गाजियाबाद | दादरी | दादरी | रत्नोली | 285 | 0-0-10 |
| | | | सतीरूपुर | 301 | 0-0-15 |
| | | | | 369 | 0-1-15 |
| | | | | 3 | 0-3-0 |

[सं. ओ.-14016/62/88 जी. पी.]

S.O. 312.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from babrala to Delhi an extension of HBJ Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. HBJ Project, Vikasdeep Building, 22-Station Road, Lucknow-226019, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)

H.B.J. GAS PIPELINE PROJECT

| District | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Area in Hectare/Bigha |
|-----------|--------|---------|----------|----------|-----------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Ghaziabad | Dadri | Dadri | Ranaoli | 285 | 0-0-10 |
| | | | Latifpur | 301 | 0-0-15 |
| | | | | 369 | 0-1-15 |
| | | | | 3 | 0-3-0 |

[No. O-14016/62/88-GP]

का. आ. 313—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का. आ. सं. तारीख 3272/5-11-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाईप लाईनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना प्राणय घोषित कर दिया था ;

और यतः राक्षस प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित किया जाता है ;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ;

अनुसूचक पाद अनुसूची

एच. पी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

| जनपद | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा सं. | क्षेत्रफल |
|-----------|-----------|-----------|--------|----------|-----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| कानपुरशहर | कानपुरशहर | कानपुरशहर | परमोली | 338 | 0-11-0 |
| | | | | 356 | 0-2-0 |
| | | | | 202 | 0-1-0 |
| | | | | 3 | 0-14-0 |

[सं. प्रो. - 14016/6/84-जी पी]

S.O. 313.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3272 dated 5-11-88

under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ,

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)

H.B.J. GAS PIPE LINE PROJECT

| District | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Area in acres |
|----------|--------|---------|----------|----------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Kanpur | Kanpur | Kanpur | Parsauli | 338 | 0-11-0 |
| City | City | City | | 356 | 0-2-0 |
| | | | | 202 | 0-1-0 |
| | | | | 3 | 0-14-0 |

[No. O-14016/6/84-GP]

का. आ. 314—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का. आ. सं. तारीख 3273/5-11-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाईप लाईनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना प्राणय घोषित कर दिया था ;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित किया जाता है ;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूचक बाव अनुसूची
एच.बी.जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

| जनपद | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा नं. | क्षेत्र-फल |
|------------|------------|------------|---------|----------|------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| कानपुर शहर | कानपुर शहर | कानपुर शहर | सनिगवाँ | 732 | 0-2-0 |
| | | | | 730 | 0-2-0 |
| | | | | 169 | 0-0-0 |
| | | | | 188 | 0-1-10 |
| | | | | 186 | 0-2-0 |
| | | | | 267 | 0-12-0 |
| | | | | 265 | 0-3-0 |
| | | | | 271 | 1-10-0 |
| | | | | 252 | 0-2-0 |
| | | | | 239 | 0-12-0 |
| | | | | 248 | 0-10-0 |
| | | | | 240 | 0-5-0 |
| | | | | 223 | 0-5-0 |
| | | | | 249 | 0-5-0 |
| | | | | | 0-3-0 |
| | | | | 14 | 4-11-10 |

[सं. प्रो.-14016/6/84-जी पी]

S.O. 314.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3273 dt. 5-11-88 under sub-section (1) of Section of the Petroleum and Natural Gas and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SUPPLEMENTARY CASE SCHEDULE

H.B.J. GAS PIPE LINE PROJECT

| District | Tahsil | Pargana | Village | Plot No. | Area in acres |
|-------------|-------------|-------------|----------|----------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Kanpur City | Kanpur City | Kanpur City | Sanigaon | 732 | 0-2-0 |
| | | | | 730 | 0-2-0 |
| | | | | 169 | 0-2-0 |
| | | | | 188 | 0-1-10 |
| | | | | 186 | 0-2-0 |
| | | | | 267 | 0-12-0 |
| | | | | 265 | 0-3-0 |
| | | | | 271 | 1-10-0 |
| | | | | 252 | 0-2-0 |
| | | | | 239 | 0-12-0 |
| | | | | 248 | 0-10-0 |
| | | | | 240 | 0-5-0 |
| | | | | 223 | 0-5-0 |
| | | | | 249 | 0-3-0 |
| | | | | 14 | 4-11-10 |

[No. O-14016/6/84-GP]

का. प्रा. 315—यत पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का. प्रा. सं. तारीख 3274/ 5-11-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाईप लाईनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना प्रायश्चित्त कर दिया था ;

और यत : सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और प्राप्ति यत : केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ;

और प्राप्ति उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूचक बाव अनुसूची
एच.बी.जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

| जनपद | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा सं. | क्षेत्रफल |
|------------|------------|------------|---------|----------|-----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| कानपुर शहर | कानपुर शहर | कानपुर शहर | ओरियारा | 766 | 1-10-0 |
| | | | | 765 | 0-6-0 |
| | | | | 2 | 1-16-0 |

[सं. प्रो.-14016/6/84 जी पी]

S.O. 315.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 32/4 dated 5-11-88 under sub-section (1) of section of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)

H.B.J. GAS PIPE LINE PROJECT

| District | Tahsil | Pargana | Village | Plot No. | Area in acres |
|-------------|-------------|-------------|---------|----------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Kanpur City | Kanpur City | Kanpur City | Oziyara | 766 | 1-10-0 |
| | | | | 765 | 0-6-0 |
| | | | | 2 | 1-16-0 |

[N.O. 14016/6/84-GP]

का. भा. 316.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का. भा. सं. 3275 तारीख 5-11-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना प्राण्य घोषित कर दिया था ;

और यतः संलग्न प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के बराबत ही अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय 214 GI/89-4

गैस प्राधिकरण लि. में सभी शर्तों से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूचित गाँव अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जनपद | तहसील | परगना | ग्राम | गाँव सं. क्षेत्रफल |
|------------|------------|------------|-------|--------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| कानपुर शहर | कानपुर शहर | कानपुर शहर | नयबो | 245 0-3-0 |
| | | | | 63मि. 0-12-0 |
| | | | | 542/2 0-10-0 |
| | | | | 403 0-8-0 |
| | | | | 407 0-4-0 |
| | | | न.सो | 561 0-1-0 |
| | | | | 6 1-18-0 |

[च. ओ.-14016/6/84-जी पी]

S.O. 316.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3275 dated 5-11-88 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)

H.B.J. GAS PIPE LINE PROJECT

| District | Tahsil | Pargana | Village | Plot No. | Area in acres |
|-------------|-------------|-------------|---------|----------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Kanpur City | Kanpur City | Kanpur City | | 245 | 0-3-0 |
| | | | | 63 m | 0-12-0 |
| | | | | 542/2 | 0-10-0 |
| | | | | 493 | 0-8-0 |
| | | | | 407 | 0-4-0 |
| | | | | Nali 561 | 0-1-0 |
| | | | | 6 | 1-18-0 |

[N.O. 14016/6/84-GP]

का. भा. सं. 317.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्राप्ति) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का. भा. सं. 3266 तारीख 5-11-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना प्राण्य घोषित कर दिया था।

और, यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और, भागे, यतः, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अथ, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, भागे, उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूचक नाम अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जनपद | तहसील | परगना | ग्राम | गांटा सं. | क्षेत्रफल |
|--------|--------|--------|---------|-----------|-----------|
| कानपुर | कानपुर | कानपुर | सेनपुरख | 1259 | 0-1-0 |
| शहर | शहर | शहर | पारा | | |

[सं. भा. — 14016/6/84—जी पी]

राकेश कक्कर, उप सचिव

S.O. 317.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3266 dated 5-11-88 under sub-section (1) of section of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And, whereas, the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And, further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)

H.B.J. GAS PIPE LINE PROJECT

| District | Tahsil | Paragana | Village | Plot No. | Acres in area |
|-------------|-------------|-------------|-----------------|----------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Kanpur City | Kanpur City | Kanpur City | S. npu. ab para | 1259 | 0-1-0 |

[N. O-14016/6/84-GP]

RAKESH KAKKAR, Dy. S.ry.

दिल्ली विकास प्राधिकरण

(मुख्य योजना शाखा)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 1989

का. भा. 313.—केन्द्रीय सरकार का दिल्ली की मुख्य योजना/केन्द्रीय विकास योजना में निम्नलिखित संशोधन करने का प्रस्ताव है, जिसे जनता की जानकारी के लिए एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है। प्रस्तावित संशोधन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो अथवा सुझाव देना हो तो वह अपनी आपत्ति या सुझाव निम्न रूप में इस सूचना के जारी होने की तिथि से तत्पश्चात् को आधिकारिक प्रमुख नगर, दिल्ली विकास प्राधिकरण, विकास सदन, "बी" ब्लॉक, आई. एन. ए. को भेज दें। आपत्ति करने अथवा सुझाव देने वाले व्यक्ति को अपना नाम और पता भी अवश्य देना चाहिए।

संशोधन :—

"उत्तर में 24 मीटर चौड़े क्षेत्रीय मार्ग, पूर्व में 18 मीटर चौड़े प्रस्तावित मार्ग और दक्षिण तथा पश्चिम में जिला पार्कों (मुख्य योजना हस्तित क्षेत्र) से घिरे हुए लगभग 1.2 हेक्टेयर (3 एकड़) क्षेत्र का भूमि उपयोग "मनोरंजनार्थक उपयोग" (जिला पार्कों) से 30 के एक. ए. शर. गठित "सांख्यिक उपयोग" (धार्मिक) में बदलने का प्रस्ताव है।"

2. प्रस्तावित संशोधन को दर्शाने वाला नक्शा निरोजग के लिए उपर्युक्त अधि के अन्तर् सभी कार्य विभागों में उप-निर्देशा, मुख्य योजना अनुभाग, विकास समार, ठठी मजिल, इन्फ्राम्य एस्टेट, नई दिल्ली के कार्यालय में उपलब्ध होगा।

[सं. एच. 20(18)/87-एन. पी.]

जनक जूजा, सचिव

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

(Master Plan Section)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 11th February, 1989

S.O. 318.—The following modification which the Central Government proposes to make to the Master Plan/Zonal Development Plan for Delhi, is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modification may send the objection or suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Vikas Sadan, 'B' Block, I.N.A. New Delhi, within a period of thirty days from the date of issue of this notice. The person making the objection or suggestion should also give his name and address.

MODIFICATION :

"The land use of an area measuring about 1.2 hect. (3 acres) bounded by 24 mtrs. wide Zonal Road on the North, 18 mtrs. wide proposed Road on the East and District Parks (Master Plan Green) on the South and West is proposed to be changed from 'Recreational use' (District Parks) to 'Institutional use' (Religious) with a FAR of 30".

2. The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of the Deputy Director, Master Plan Section, Vikas Minar, 6th Floor, I.P. Estate, New Delhi on all working days within the period referred to above.

[No. F. 20(18)/87-MP]
JANAK JUNEJA, Secy.

अम संज्ञास्थ

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1989

का. भा. 319—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचना में, केन्द्रीय सरकार इंटरनेशनल ऐयरपोर्ट प्राधिकारी आफ इंडिया, मद्रास एयरपोर्ट के प्रबन्धन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 13-1-89 को प्राप्त हुआ था।

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 20th January, 1989

S.O. 319.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of International Airport Authority of India, Madras Airport and their workmen which was received by the Central Government on the 13-1-89.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL,
TAMIL NADU, MADRAS

Monday, the 17th day of October, 1988.

Industrial Dispute No. 86 of 1987

(On the matter of the dispute for adjudication under Section 19(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the Management of International Airport Authority of India, Madras Airport, Madras.)

BETWEEN

Thirumathi P. Kasturi, No. 9, Ashokan Street, Palavanthangal, Madras.

AND

The General Manager, International Airport Authority of India, Madras Airport, Madras.

REFERENCE :

Order No. L-11012/1/87-D. II(B), dated 31-7-1987 of the Ministry of Labour, Government of India New Delhi.

This dispute advanced today for final hearing upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing of Thiruvallargal P. R. C. Ponnashagan and B.T. Arasu, Advocates appearing for the workman and of Thiruvallargal A. N. Viswanatha Rao and N. Krishnamoorthy, Advocates for the Management and the workman having filed an application to withdraw the dispute, this Tribunal passed the following Award.

214 GI/89—5

AWARD

This dispute between the workman and the Management of International Airport Authority of India, Madras Airport, Madras arises out of a reference under Section 19(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its order No. L-11012/1/87-D. II(B), dated 31-7-1987 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue :

"Whether the action of the management of international Airport Authority of India, Madras Airport, Madras in terminating the workman Smt. P. Kasturi, Sweepress, from service w.e.f. 23-8-85 is legal and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled to?"

2. Parties were served with summons. Both parties were represented by counsel.

3. Petitioner-worker filed her claim statement on 18-8-1987. The Respondent-Management filed their counter statement denying the allegations made in the claim statement.

4. Petitioner-worker was examined as W.W.1 in part before this Tribunal. Exs. W.1 to W.13 were marked on behalf of the Petitioner-worker. For continuation of the evidence of W.W.1, the dispute was posted to 31-10-1988.

5. On 17-10-1988, the counsel for the Petitioner-worker filed before this Tribunal, an application (M.A. No. 253/88) praying to permit the Petitioner to withdraw the dispute and also advance the dispute from 31-10-1988 to today.

6. As per order in Misc. Appl. No. 253/1988 the dispute advanced today and this dispute is dismissed as withdrawn as per petition filed by the Claimant-Petitioner. Award is passed accordingly.

Dated, this 17th day of October, 1988.

Sd./

K. NATRAJAN, Industrial Tribunal

WITNESS EXAMINED

For workman : W.W.1—Smt. P. Kasturi.

For Management : None

DOCUMENTS MARKED

For workman :

EX.W-1/13-1-87—Failure of conciliation report (xerox copy).

W-2/30-4-87—Order in W.P. No. 4518/1987 (xerox copy).

W-3/27-1-85—Medical Certificate (xerox copy).

W-4/25-2-86—Fitness Certificate (xerox copy).

W-5/12-6-86—Lawyer notice by the Petitioner to the Management.

W-6/ -6-86—Acknowledgement by the Management.

W-7/30-6-86—Lawyer notice to the Management and its superiors.

W-8/ 1-7-86—Reply by the Management to Lawyer notice.

W-9/ 5-8-86—Reply by the Management to the Lawyer Notice.

W-10/17-1-87—Lawyer letter to the Management.

W-11/1-2-87—Petitioner's lawyer letter to the Secretary, Government of India.

W-12/ -2-87—Acknowledgement by the Secretary.

W-13/25-7-88—Lawyer letter by the Petitioner to the Management.

For Management : Nil

K. NATARAJAN, Industrial Tribunal

[No. L-11012/1/87-D. II(B)/III(B)]

का. आ. 320.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एम. प्राई. वर्क्स क्वारी प्रा. लि., मोतीपुरा, तहसील मोवासा, जिला साबरकान्ता के प्रबन्धन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-1-89 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 320.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.I. Works Quarry (P) Limited, Motipura, Teh Modasa, District Sabarkantha and their workmen, which was received by the Central Government on the 16-1-89.

ANNEXURE

BEFORE SHRI C. G. RATHOD, PRESIDING OFFICER,
INDUSTRIAL TRIBUNAL, AHMEDABAD.

Reference (ITC) No. 33 of 1987.

ADJUDICATION :

BETWEEN

S. I. Works Quarry Pvt. Ltd. Motipura, Modasa,
Dist. Sabarkantha.

AND

The Workmen employed under it.

In the matter whether the action of the management of S.I. Work Quarry Private Limited Motipura is justified in terminating the services of Shri Guruvachan J. Raval? If not, what relief the workman is entitled to?

AWARD

By an order No. L-29012/16/87-D. III(B) dated 3-6-1987, the Desk Officer, Government of India, Ministry of Labour, New Delhi in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the I. D. Act, 1947, has referred the dispute between the management of S. I. Works Quarry Pvt. Ltd., Motipura, Modasa, Dist. Sabarkantha and its workmen to the Presiding Officer, Industrial Tribunal, Ahmedabad and ultimately it was referred to me. The dispute referred to is as under :

"Whether the action of the management of S. I. Works Quarry Pvt. Ltd. Motipura is justified in terminating the services of Shri Guruvachan J. Raval? If not, what relief the workman is entitled to?"

2. The concerned workman has filed the statement of claim at Ex. 2 and it is not necessary to refer the averments made therein in detail at this stage in as much as the parties have settled the dispute. The Management has filed its written statement to the aforesaid statement of claim at Ex. 9. It is also not necessary to refer to the contentions raised therein.

3. It is sufficient to state that before the matter could be heard and decided on merits, the parties submitted a Purshis at Ex. 97 settling the entire disputes. This compromise was signed by the concerned workman and his Advocate, Mr. H. R. Raval. It is also signed by the Administrative Officer of the Management and his Advocate, Mr. V. Premchand. They have admitted the terms of the compromise and the terms appear to be fair and reasonable in the circumstances of the case. In the circumstances, an award is passed in terms of the settlement and hence the order :

ORDER

The award in terms of the settlement is at Ex. 97. The Ex. 97 shall be annexed with the award. No order as to costs.

Sd./-

G. J. DAVE, Secretary

C. G. RATHOD, Presiding Officer
Ahmedabad, 7th January, 1989.

[No. L-29012/16/87-D. III(B)]

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1989

का. आ. 321.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एयर इंडिया, बम्बई के प्रबन्धन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1, बम्बई के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-1-89 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 23rd January, 1989

S.O. 321.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Air India, Bombay and their workmen, which was received by the Central Govt. on the 18th January, 1989.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL No. 1, AT BOMBAY

Reference No. CGIT-27 of 1986

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Air-India,
Bombay.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Management.—Mr. M. M. Verma, Advocate.

For the Workmen.—Mr. Bukhari, Advocate.

INDUSTRY : Airlines. STATE : MAHARASHTRA.

Bombay, dated the 23rd day of June, 1988

AWARD

The Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section 1 and sub-section (2-A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the management of Air-India at Bombay is not granting the interest of Provident Fund deducted from the wages of the workmen concerned from the 'on account' payment in terms of Employers' letter No. IR/74-74(d) 2698 dated 17th Sept., 1979 from 1-4-1978 onwards is justified? If not, what relief the workmen concerned are entitled to?"

2. The Dispute relates to the non-payment of interest on proportionate deductions on account of provident fund from the 'on account' payments made during the period from 1-4-1978 to 13-9-1984, as per the terms of the settlement dated 17-2-1979, arrived at between Messrs Air-India and Air-India Employees Guild. The dispute was arisen by Air-India Employees Guild (which will be hereinafter referred to as 'the Guild'). According to the Guild, the corporation as and when it released the arrears of 'On account payment' as per the terms of settlement dated 17-12-79, deducted therefrom provident fund at the rate of 8-1/3 percent as per the Air-India Employees Provident Fund Regulations 1954. Similarly, when the 'On account payment' was made on monthly basis provident fund was deducted from such 'On account payment' also.

3. The simple defence of the management is that no deductions were made on account of Provident Fund from the 'On account payments' and hence there was no question of paying any interest on such deductions. According to the corporation, the staff notice bearing no IR/74-74(D)/2698 dated September, 17, 1979, issued by the management categorically stated that the rates of 'On account payments' had been arrived at after making necessary provisional adjustments towards Provident Fund and quarter licence fee, in case of staff who had been provided with accommodation by the Corporation, and that Guild's reliance on management's letter of even number and even date is misconceived and untenable.

4. The management of Air-India had entered into a settlement with Air-India Corporation Employees Union, (which will be hereinafter referred to as 'Union'). This settlement was to expire on 31-3-1978. The Union, however, terminated the settlement on 1-2-1978, and gave a fresh Charter of Demands on 31-3-1978. The Union amended the Charter of Demands on 15-4-1978. The demands were not accepted by the management. The matter was therefore taken in conciliation. Different sets of demands were made by the Guild and the Union. During the conciliation proceedings the management offered a package deal to the Union as well as to the Guild. The Union accepted the offer and entered into a settlement with the management. This settlement, which was signed by the management on 2-2-1979, was to be effective from 1-4-1978 to 31-9-1981. It contemplated an 'On account payment' pending sanction of the Central Government. The Guild also followed suit and entered into separate settlement on 17-2-1979. It was agreed that the Charter of Demands given by the Guild were to be referred to the National Industrial Tribunal for adjudication and pending such adjudication 'On account payment' was to be made with effect from 1-4-1978 to 31-9-1981 as contemplated by the settlement dated 2-2-1979 between the Union and the Management. Accordingly, the matter was referred to this Tribunal for adjudication. The Tribunal passed an Award on 21-4-1983, in terms of the settlement dated 2-2-1979, inter alia holding that the said settlement was fair. This Award was passed in reference No. NTB-1 of 1980.

5. After the settlement dated 2-2-1979, between the Union and the Management, the Director of Personnel and Industrial Relations put up a Staff Notice dated 5-2-1979, declaring the decision of the Management, to make 'On account payment' pending government approval of the settlement. The decision of the Management is mentioned in para 6 of the Staff Notice which reads as follows :—

"Pending Government approval of the settlements, the Management of Air-India and Indian Airlines have decided to make 'On account payment' in order to ensure that the majority of the employees whom the settlements cover get in hand without delay some of the benefits of the Settlements. Staff Notice No. 26/78-79 of February 3, 1979, has already been issued in this connection and another notification will be issued shortly to indicate the date of payment. It is expected that the payment would be made within the next week."

6. As mentioned above, the Guild entered into a separate settlement on February 17, 1979. The terms of this settlement in respect of 'On account payment' are contained in clauses (i) to (iv) of the said settlement. They are as follows :—

"Terms of Settlement" :

- (i) The management has offered to make 'On account Payment' on the following basis for the period from 1-4-1978 to 31-12-1978.

Non-Technical Category :

| | | |
|-----------------------|-----------|----------|
| 1. Unskilled grades | Rs. 70×9 | Rs. 630. |
| 2. Clerical grades | Rs. 90×9 | Rs. 810. |
| 3. Supervisory grades | Rs. 110×9 | Rs. 990. |

Technical Categories :

| | | |
|--|----------|----------|
| 4. In Transport Section, Civil Works & Properties, Department, Stores Department & Communications Division | Rs. 90×9 | Rs. 810. |
|--|----------|----------|

Supervisory Categories :

5. In the Technical sections mentioned above, Rs. 110×9 Rs. 990.

(ii) For the period from 1-1-1979 to 31-3-1979, a lumpsum payment to the above categories is proposed to be made on the above basis. The Management proposes to continue to pay 'On account' payment from 1-4-1979 to the date of implementation of the offer as per Annexure 'A' at the monthly rates mentioned above.

(iii) From the date the offer as per Annexure 'A' is implemented, the Management proposes to make 'On account' payment at monthly rates which will approximate closer to the actual difference in emoluments which will accrue on implementation of the offer.

(iv) The Guild has agreed to accept the 'On account' payment on the basis indicated above and the productivity points mentioned in the offer of the Management as per Annexure 'A' and the Charter of the Demands of the Guild as per Annexure 'B' it is also agreed that the above 'On account' payment will be adjusted against the accruals as a result of the Award of the National Industrial Tribunal referred to hereunder."

7. It appears that some discussions took place between the Guild and the Management about the deductions on account of Provident Fund from the 'On account payment' made to the categories represented by the Guild. In furtherance to this discussion the Deputy Director of Personnel and Industrial Relations wrote a letter to the Secretary, Air-India Employees Guild on September 17, 1979. As this letter is sought to be interpreted by both the parties in their own way, I propose to fully quote the letter :—

"Dear Sir,

Sub.—Charter of Demands.

This had reference to the discussion you had with us regarding the deduction from the 'On account payment' made to the categories represented by your Union, effective 1st September, 1979.

2. As explained to you in the course of our discussion today the rates of 'On account payment' have been revised effective 1-9-1979 in terms of clause (iii) of the Memorandum of Settlement dated February 17, 1979, between Air-India and Air-India Employees' Guild. The said rates have been arrived at after making the necessary provisional adjustments towards Provident Fund and the Quarter Licence Fee in case of Staff who have been provided accommodation by the Corporation. We attach herewith an example showing the calculation of revised 'On account payment' on the above lines. Please note that we have implemented the revised 'On account payment' through September, 1979 payrolls.

Yours faithfully,
Air-India
Sd/-
(S. K. NANDA)

Dy. Director of Personnel
& Industrial Relations."

8. By the above mentioned letter, the Deputy Director of Personnel and Industrial Relations informed the Secretary of the Guild that the revised rates of 'On account payment' effective from 1-9-1979 were arrived at after making necessary adjustments towards Provident Fund and in order to explain how the calculations were made the Deputy Director attached a statement containing an example showing revised calculations of the 'On account payment'. It is as follows :—

"Example showing revised calculations of 'On account' payment at monthly rates approximately closer to the actual on proposed revision :

| | | |
|--|---------------------------------------|----------|
| Category of employee | : Traffic Assistant. | |
| Grade | : Rs. 230-640 (old) 405-910 (Revised) | |
| (A) (Not provided with Corporation's accommodation). | | |
| | Existing | Proposed |
| | Rs. | Rs. |
| Basic Pay | 230 | 405 |
| D.A. (Khosla) | 75 | — |
| A.D.A (1974) | 100 | — |
| V.D.A. (1975) | 95 | 95 |
| Spl. Allow. | 80 | 80 |
| H.R.A. | 57.75 | 75.75 |
| Other Allow. | 35 | 35 |
| Washing Allow. | 8 | 15 |
| Productivity Allow. | — | 25 |
| C.C.A. | — | 24.30 |
| Marginal Adjustment | — | 20 |
| Computer Allow. | — | 30 |
| Total Gross | 680.75 | 805.05 |
| Less : PF | 32.08 | 50.00 |
| | (Actual) | (Prov.) |
| | 648.67 | 755.05 |
| Difference (*) | *106.38 | — |
| | 755.05 | 755.05 |

*The revised 'On account' Rs. 105 p.m. based on approximately closer to the dues on proposed revision.

(B) (Provided with Corporation's accommodation).

| | | |
|--------------------------|--------|---------|
| Gross after PF as above: | 648.67 | 755.05 |
| Less : HRA | 57.75 | 75.75 |
| | 590.92 | 679.30 |
| Less : GIF | 38.50 | 30.38 |
| | | (Prov.) |
| | 552.42 | 648.92 |
| Difference (*) | *96.50 | — |
| | 648.92 | 648.92 |

*The revised 'On account's Rs. 95 p.m. based on approximately closer to the dues on proposed revision.

9. The Air-India Corporation has framed Air-India Employees' Provident Fund Regulations which came into force from 1-8-1953. They are applicable to all employees of the Corporation other than Government Servant on deputation to the Corporation. As provided by Regulation 12(1) every employee of the Corporation who is confirmed in his service shall be required to be a member of the Fund from the date on which these Regulations came into force, or on his confirmation of his service whichever is later. As defined by Clause (i) of Regulation (2) 'Fund' means

the Provident Fund established under the Regulations. Regulation 14(1) laid down that every member shall subscribe to the Fund each month at the rate of eight and a one-third percent (8-1/3 percent) of the pay earned by him for the month and the amount shall be recovered by the Corporation from the member's monthly salary. Clause (2) of Regulation 14 further lays down that the Corporation shall contribute to the fund every month an amount equal to the amount subscribed by each of the employees but in any case not exceeding 8 1/3 percent of the pay earned by the employee during that month as the employer's contribution to the Fund. Clause (1) of Regulation 15 further lays down that the total amount received or receivable as the employer's contributions and the employee's subscriptions to the fund shall be credited to respective accounts. Clause (3) of the said Regulation further provides that all interest, rent and any other income accrued or realised, as the case may be, shall be credited to an account called the 'Interest Income Account'. Clause (iii) of Regulation 16 enjoins a duty on the Board of Trustees to credit in the Fund on the 31st day of March every year, or as soon as possible, the amount of interest due to every employee member on the balance standing to his credit in the fund on 31st March of the year last preceding of the Financial Year as also 50 percent of the subscriptions and contributions credited to Member's account during the year. The Corporation, therefore, is bound to credit the subscriptions made by the member and employer's contribution equal to the amount not exceeding 8 1/3 percent of the pay earned by the employee every month and credit the amount of the interest on the amount standing to the credit of the member in the Fund on 31st March of the Year last preceding the Financial Year and also 50 percent subscriptions and contributions credited to the Members account during the year, on 31st March every year or as soon as possible thereafter. This position is not disputed by the Management. It is, however, the case of the Corporation that no deduction was made on account of Provident Fund from the 'On Account Payment' made to the concerned workmen in pursuance to the settlement dated 17-2-1979 entered into by the Air-India Corporation and the Guild.

10. In support of the contention that deductions on account of provident fund were made from the amount of the 'On Account Payment', the Guild has produced some Pay Bills which show that the amount of the 'on account payment' made till August 1979, was reduced from September 1979 onwards. These reductions however were not shown, as deductions on account of Provident Fund in the pay bills. The Management could not explain the nature of these deductions. There is also nothing in the record of the Corporation, which was called for, to show that these deductions were made on account of Provident Fund. The Guild also could not establish that these deductions from the 'On Account Payment' made from September 1979, onward were on account of Provident Fund. The question whether these deductions were lawful is beyond the scope of this reference as well as is irrelevant so far as this reference is concerned. If, according to the Guild, these deductions were unauthorised it is free to avail of the remedy prescribed for recovering unauthorised deductions. No relief can be granted on that account in this reference in view of the limited scope of the question referred to this Tribunal.

11. Though it is not proved that some amount by way of employee's contribution to the Provident Fund was deducted from the 'On Account Payment' fixed by a formula prescribed in the above quoted example given in the statement annexed to the above quoted letter of the Deputy Director of Personnel and Industrial Relations to the Secretary of the Guild on 17-9-1979, it is clear from the example itself that while calculating the 'On Account Payment' the amount of additional Provident Fund payable in view of the proposed revision of wages in view of the settlement, was deducted. This position can be seen from the above quoted example which as mentioned above, contains the formula by applying which the 'On Account Payment' was determined.

12. The example cited above is that of a Traffic Assistant whose grade was proposed to be revised from 230-640 to 405-910. The total existing emoluments of the workman whose example is cited was Rs. 680.75 and the Provident Fund at the rate of 8-1/3% came to Rs. 32.08. That was the actual contribution made by the said workman. It will

be seen from the last column that as per the proposed revision the total gross wages payable to the employee came to Rs. 850.05 on which the compulsory subscription of the employee to the provident fund came to Rs. 50. The actual amount which would have been payable to the employee as per the revised grade after deduction of the compulsory Provident Fund subscription came to Rs. 755.05 as against 648.67. It is pertinent to note that the 'On Account Payment' was calculated as the difference between the amount that would have been payable to the employee as per revised wage scale after deduction of Provident Fund Subscription and the net amount paid to the workman after deducting provident fund as per the existing scale. The 'On Account Payment' was not calculated as the difference between the gross amount payable as per the revised grade and the amount paid as per the existing grade. It is thus clear that while determining the 'On Account Payment' deduction on account of Provident Fund was taken into consideration. This deduction is styled by the management as provisional deduction. Nonetheless it is a deduction because if this deduction would not have been made the actual 'On Account Payment' would have been higher. In the case of the example cited, it would have been Rs. 119.30 as against Rs. 105.00. This additional amount was withheld by the management as provisional adjustment towards Provident Fund. Hence the Management will be deemed to have deducted that much amount towards Provident Fund subscription of the workman.

13. It is an admitted position that these amounts were deposited alongwith the employer's contribution in the accounts of the respective employees after the National Industrial Tribunal passed the Award on 21-4-1983 in terms of the settlement dated 2-7-1979 between Air Corporation Employees' Union (ACEU) and the Management. The management might have been justified in withholding these amounts till the Award was passed. But while crediting the amounts in respective accounts of the employees the management should also have credited the interest on the amounts withheld by the management on account of Provident Fund from the 'On Account Payment' from 1-4-1978 to 31-3-1983 as required by clause (3) of Regulation 16 at the rate determined and notified as per clause (1) of the said Regulation. Hence though the action of the Corporation in making deductions on account of Provident Fund from the additional amount payable as per the revised grades and withholding the amount till the National Industrial Tribunal gave its Award was justified there was no justification for not crediting the interest on these amounts. The fact that the amount was not actually credited in the respective Provident Fund account does not mean that the workman was not entitled to interest on the amount which the management deducted towards his contribution to the Provident Fund on the additional wages which were payable to the workman in view of the settlement.

14. The Management of the Corporation is therefore directed to credit in the accounts of the concerned workman interest on the amounts retained by the Corporation while fixing the 'On Account Payment' as Provident Fund contributions of the concerned employees on the additional amounts payable to the workman as per the revised grades of pay for the period from 1-4-1978 to 31-3-1983 alongwith interest on the said amount of interest till this date at the rate or rates determined and notified as per clause (1) of Regulation 16 of the Air-India Employees Provident Fund Regulations.

Award accordingly.

M. S. JAMDAR, Presiding Officer
[No. L-11011/3185-D.II(B)/D.III(B)]

नई दिल्ली, 24 जनवरी 1989

का. भा. 322—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की भाग 17 के अनुसूची में, केन्द्रीय सरकार इंडियन एयर लाइन्स, बम्बई के पदस्थान से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 1, बम्बई के पंचाद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-1-89 को प्राप्त हुआ था।

214 GI/89—6.

New Delhi, the 24th January, 1989

S.O. 322.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1 Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Airlines, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-1-89.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

Reference No. CGIT-51 of 1987

PARTIES :

Employer in relation to the management of Indian Airlines, Bombay.

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Management—Mr. M. M. Verma, Advocate.
For the Workmen—Mr. Gadkari, Advocate.

INDUSTRY : Airlines STATE : Maharashtra
Bombay, dated the 15th day of December, 1988

AWARD

The Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

"Whether the action of the management of Indian Airlines, Bombay in retiring Shri M. R. Kumar, working as a Loader under Regulation No. 12 with effect from 19-6-1984 is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. The workman was retired from the service of the Corporation after attaining the age of 55 years, but before attaining the age of 58 years by giving three months notice under Regulation (12) of the Corporation. According to the Air Corporations Employees' Union, who espoused the cause of the concerned workman, the workman was entitled to be continued in the service till his attaining the age of 60 years and the action of the management in prematurely terminating his service was illegal, unjustified amounted to unfair labour practice and was taken as a retaliatory measure against the Union. The Management raised some preliminary objections about the validity of the reference and jurisdiction of this Tribunal and denied all the allegations on which the action was sought to be challenged. The management maintained that the action of retirement of the workman was within the competence of the Corporation and was taken after overall assessment of the performance of the workman.

3. At the hearing of the reference, the parties filed a memo of settlement and requested the Tribunal to pass an Award in terms of the settlement which are as follows :—

1. It is agreed that the Employer viz. Indian Airlines, shall pay a sum of Rs. 17035 as Ex-gratia payment to the workman in full and final settlement of all claims made by the workman in the pending adjudication before this Hon'ble Tribunal in the above Reference.
2. The said payment shall be made within four weeks from the date of this settlement.
3. In view of the aforesaid settlement reached, by and between the parties, the parties submit that

the Hon'ble Tribunal be pleased to pass an award in terms of the settlement."

I am satisfied that the settlement is fair and proper and is in the best interest of the workman and harmonious industrial relations between the Corporation and its workmen. I, therefore, pass an award in terms of the above mentioned settlement.

M. S. JAMDAR, Presiding Officer
[No. L-11012/8/86-D. II(B)/III(B)]

का. मा. 323.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंडियन एयर लाइन्स, बम्बई के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 1 बम्बई के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-1-89 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 323.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Airlines, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th January, 1989.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY.

PRESENT :

Reference No. CGTI-50 of 1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of Indian Airlines, Bombay

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Management : Mr. M. M. Verma, Advocate.
For the Workmen : Mr. Gadkari, Advocate.

INDUSTRY : Airlines STATE : Maharashtra
Bombay, dated the 15th day of December, 1988

AWARD

The Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

"Whether the action of the management of Indian Airlines, Bombay in retiring Shri Shyam Bahadur working as an Operator under Regulation No 12 with effect from 22-6-1984 is justified? If not, to what relief the workmen is entitled to?"

2. The workman was retired from the service of the Corporation after attaining the age of 55 years, but before attaining the age of 58 years by giving three months notice under Regulation (12) of the Corporation. According to the Air Corporations Employees' Union, who espoused the cause of the concerned workmen, the workman was entitled to be continued in the service till his attaining the age of 60 years and the action of the management in prematurely terminating his service was illegal, unjustified amounted to unfair labour practice and was taken as a retaliatory measure against the Union. The Management raised some preliminary objections about the validity of the reference and jurisdiction of this Tribunal and denied all the

allegations on which the action was sought to be challenged. The management maintained that the Action of retirement of the workman was within the competence of Corporation and was taken after overall assessment of the performance of the workman.

3. At the hearing of the reference, the parties filed a memo of settlement and requested the Tribunal to pass an Award in terms of the settlement, which are as follows :—

"1. It is agreed the Employer viz. Indian Airlines, shall pay a sum of Rs. 4445/- as Ex-gratia payment to the workman in full and final settlement of all claims made by the workman in the pending adjudication before this Hon'ble Tribunal in the above Reference.

2. The said payment shall be made within four weeks from the date of this settlement.

3. In view of the aforesaid settlement reached by and between the parties, the parties submit that the Hon'ble Tribunal be pleased to pass an award in terms of the settlement."

I am satisfied that the settlement is fair and proper and is in the best interest of the workman and harmonious industrial relations between the Corporation and its workmen. I, therefore, pass an award in terms of the above mentioned settlement.

M. S. JAMDAR, Presiding Officer
[No. L-11012/6/86-D. II(B)/D. III(B)]

का. मा. 324.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंडियन एयर लाइन्स, बम्बई के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 1, बम्बई के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-1-89 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 324.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Airlines, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th January, 1989.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

Reference No. CGIT-52 of 1987

PRESENT :

Mr. Justice M. S. Jamdar, Presiding Officer.

PARTIES :

Employer in relation to the management of Indian Airlines, Bombay.

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Management : Mr. M. M. Verma, Advocate.
For the Workmen : Mr. Gadkari, Advocate.

INDUSTRY : Airlines. STATE : Maharashtra.
Bombay, dated the 15th day of December, 1988

AWARD

The Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of

section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

“Whether the action of the management of Indian Airlines, Bombay in retiring Shri P. D. Palekar working as operator under Regulation No. 12 with effect from 21st June, 1984 is justified? If not to what relief the workman is entitled to?”

2. The workman was retired from the service of the Corporation after attaining the age of 55 years, but before attaining the age of 58 years by giving three months notice under Regulations (12) of the Corporation. According to the Air Corporations Employees' Union, who espoused the cause of the concerned workman, the workman was entitled to be continued in the service till his attaining the age of 60 years and the action of the management in prematurely terminating his service was illegal, unjustified amounted to unfair labour practice and was taken as a retaliatory measure against the Union. The Management raised some preliminary objections about the validity of the reference and jurisdiction of this Tribunal and denied all the allegations on which the action was sought to be challenged. The management maintained that the action of retirement of the workman was within the competence of the Corporation and was taken after overall assessment of the performance of the workman.

3. At the hearing of the reference, the parties filed a memo of settlement and requested the Tribunal to pass an Award in terms of the settlement, which are as follows :—

1. It is agreed that the Employer viz. Indian Airlines, shall pay a sum of Rs. 19815 as Ex-gratia payment to the workman in full and final settlement of all claims made by the workman in the pending adjudication before this Hon'ble Tribunal in the above Reference.
2. The said payment shall be made within four weeks from the date of this settlement.
3. In view of the aforesaid settlement reached by and between the parties, the parties submit that the Hon'ble Tribunal be pleased to pass an award in terms of the settlement.

I am satisfied that the settlement is fair and proper and is in the best interest of the workman and harmonious industrial relations between the Corporation and its workmen. I, therefore, pass an award in terms of the above mentioned settlement.

M. S. JAMDAR, Presiding Officer
[No. L-11012/21/86-D.II(B)/D.III(B)]

का. भा. 325.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंडियन एयर लाइन्स, बम्बई के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, सं. 1, बम्बई के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-1-89 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 325.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Airlines, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th January, 1989.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO I AT BOMBAY

Reference No. CGIT-49 of 1987

PARTIES:

Employer in relation to the management of Indian Airlines, Bombay.

AND

Their workmen.

APPEARANCES:

For the Management—Mr. M. M. Verma, Advocate.

For the Workmen—Mr. Gadkari, Advocate.

INDUSTRY : Airlines

STATE : Maharashtra

Bombay, dated the 15th day of December, 1988

AWARD

The Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

“Whether the action of the management of Indian Airlines, Bombay in retiring Shri H. L. Gaur, working as a Helper under Regulation No. 12 with effect from 21-6-1984 is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?”

2. The workman was retired from the service of the Corporation after attaining the age of 55 years, but before attaining the age of 58 years by giving three months notice under Regulation (12) of the Corporation. According to the Air Corporations Employees' Union, who espoused the cause of the concerned workman, the workman was entitled to be continued in the service till his attaining the age of 60 years and the action of the management in prematurely terminating his service was illegal, unjustified amounted to unfair labour practice and was taken as a retaliatory measure against the Union. The management raised some preliminary objections about the validity of the reference and jurisdiction of this Tribunal and denied all the allegations on which the action was sought to be challenged. The management maintained that the action of retirement of the workman was within the competence of the Corporation and was taken after overall assessment of the performance of the workman.

3. At the hearing of the reference, the parties filed a memo of settlement and requested the Tribunal to pass an Award in terms of the settlement, which are as follows :—

- “1. It is agreed that the Employer viz. Indian Airlines, shall pay a sum of Rs. 25,085 as Ex-gratia payment to the workman in full and final settlement of all claims made by the workman in the pending adjudication before this Hon'ble Tribunal in the above reference.
2. The said payment shall be made within four weeks from the date of this settlement.
3. In view of the aforesaid settlement reached by and between the parties, the parties submit that the Hon'ble Tribunal be pleased to pass an award in terms of the settlement.”

I am satisfied that the settlement is fair and proper and is in the best interest of the workman and harmonious industrial relations between the Corporation and its workman. I, therefore, pass an award in terms of the abovementioned settlement.

M. S. JAMDAR, Presiding Officer
[No. L-11012/7/86-D.II(B)/D.III(B)]

का. भा. 326.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंडियन एयर लाइन्स, बम्बई के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, सं. 1, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-1-89 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 326.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Airlines, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-1-89.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

Reference No. CGIT-53 of 1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of Indian Airlines, Bombay.

AND

their workmen.

APPEARANCES :

For the Management—Mr. M. M. Verma, Advocate.
For the Workmen—Mr. Gadkari, Advocate.INDUSTRY : Airlines STATE : Maharashtra
Bombay, dated the 15th day of December, 1988

AWARD

The Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:—

“Whether the action of the management of Indian Airlines, Bombay in retiring Shri Mohd. Wahid working as a Loader, from Regulation No. 12 with effect from 21-6-1984 is justified? If not to what relief the workman is entitled to?”

2. The workman was retired from service of the Corporation after attaining the age of 55 years, but before attaining the age of 58 years by giving three months notice under Regulation (12) of the Corporation. According to the Air Corporation Employees' Union who espoused the cause of the concerned workman, the workman was entitled to be continued in the service till his attaining the age of 60 years and the action of the management in prematurely terminating his service was illegal, unjustified amounted to unfair labour practice and was taken as a retaliatory measure against the Union. The Management raised some preliminary objections about the validity of the reference and jurisdiction of this Tribunal and denied all the allegations on which the action was sought to be challenged. The management maintained that the action of retirement of the workman was within the competence of the Corporation and was taken after over all assessment of the performance of the workman.

3. At the hearing of the reference, the parties filed a memo of settlement and requested the Tribunal to pass an Award in terms of the settlement, which are as follows :—

“1. It is agreed that the Employer which Indian Airlines, shall pay a sum of Rs. 4490 as Ex-gratia payment to the workman in full and final settlement of all claims made by the workman in the pending adjudication before this Hon'ble Tribunal in the above Reference.

2. The said payment shall be made within four weeks from the date of this settlement.

3. In view of the aforesaid settlement reached by and between the parties submit that the Hon'ble Tribunal be pleased to pass an award in terms of the settlement.”

I am satisfied that the settlement is fair and proper and is in the best interest of the workman and harmonious industrial relations between the Corporation and its workmen. I,

therefore, pass an award in terms of the above mentioned settlement.

M. S. JAMDAR, Presiding Officer
[No. L-11012/5/86-D.II(B)/III(B)]
V. K. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1989

का. घा. 327.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नेशनल सिल्कवॉर्म सीड प्रोजेक्ट, बंगलूर के प्रबन्धन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में विनिर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-1-89 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 23rd January, 1989

S.O. 327.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of National Silkworm Seed Project, Bangalore and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th January, 1989.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMILNADU, MADRAS

Thursday, the 24th day of November, 1988

Industrial Dispute No. 22 of 1988

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the management of National Silkworm Seed Project, Bangalore and another].

BETWEEN

Thirumathi G. Savithri,
No. 398, Edicar Naicar Line,
Lawley Road, Subramaniapuram Post,
Coimbatore-641040.

AND

1. The Director,
National Silkworm Seed Project,
Central Silk Board,
'Mysugar' Commercial Complex, II Floor,
J. C. Road, Bangalore-641045.
2. The Senior Research Officer,
Silkworm Seed Production Centre,
'8/213, Trichy Road, Coimbatore-641045.

REFERENCE :

Order No. L-42012/111/86-D II(B) dated 24-3-1988 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on this day of final disposal in the presence of Thiru S. Seshadri, Central Government Pleader, appearing for the Management 1 and 2 upon perusing the reference and other connected papers on record and the workman being absent this Tribunal passed the following.

AWARD

This dispute between the workman and the Management of National Silkworm Seed Project, Bangalore and another arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-42012/111/86-D. II(B), dated 24-3-1988 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue :

Whether the action of the Management of National Silkworm Seed Project, Bangalore in relation to their Silkworm Seed Production Centre, Coimbatore in terminating the services of Smt. G. Savithri, workman with effect from 15-9-1984 is legal and justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?

Parties were served with summons.

Both the Managements were represented by Central Government pleader. Petitioner was absent and no representation made on her behalf. In spite of several chances given to the petitioner she was absent and not represented.

Today also when the dispute was called, Petitioner was absent and no representation was made. No claim statement has been filed.

Hence Industrial Dispute is dismissed for default.

Dated, this 24th day of November, 1988.

K. NATARAJAN, Industrial Tribunal
[No. L-42012/111/86-D.II(B)]
HARI SINGH, Desk Officer

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1989

का. आ. 328.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड का तैत्तुरिया कोलियरी के प्रबन्धत्व से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निष्कट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 2), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-1-89 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 24th January, 1989

S.O. 328.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Tetturiya Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 10th January, 1989

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 207 of 1987

In the matter of an industrial dispute under section 10 (1)(d) of the I. D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Tetturiya Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen : Shri Arjun Singh, Secretary, Koyala Ispat Mazdoor Panchayat.

On behalf of the employers : Shri S. P. Singh, Personnel Manager.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 4th January 1989

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under section 10(1)(d)

of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012 (53)/87-D.II(A), dated the 8th July, 1987.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Tetturiya Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited in refusing to give employment to Shri Kuldip Bhuiya, the dependant son-in-law of the deceased workman, late Smt. Patrazia Bhuini, Wagon Loader as per Clause 9.4.2 of the National Coal Wage Agreement III is justified? If not, to what relief the dependant son-in-law is entitled?”

In the case only the union has filed his W.S. Thereafter several adjournments were granted to the employers for filing their written statement. But subsequently instead of filing the W.S. by the employers, both the parties appeared before me and filed a petition of compromise. I heard the parties on the said petition of compromise and I do find that the terms contained therein are fair, proper and beneficial to both the parties. Accordingly, I accept the same and pass an Award in terms of the petition of compromise which forms part of the Award as Annexure.

I. N. SINHA, Presiding Officer
[No. L-20012/53/87-D.II(A)] [IR(Coal)]

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NO. 2, AT DHANBAD

Reference No. 207/87

Employers in relation to the Management of M/s. Tetturiya Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited,

AND

Their Workmen

Petition of Compromise

The humble petition on behalf of the parties to the above reference most respectfully sheweth :—

1. That the Central Government by Notification No. L-20012(53)/87-D.II(A) dated 8th July, 1987 has been pleased to refer the present dispute on the following issue :—

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Tetturiya Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited in refusing to give employment to Shri Kuldip Bhuiya, the dependant son-in-law of the deceased workman, late Smt. Patrazia Bhuini, Wagon Loader as per Clause 9.4.2 of the National Coal Wage Agreement-III is justified? If not, to what relief the dependant son-in-law is entitled?”

2. That the parties have amicably settled the dispute on the following terms :—

Terms of Settlement

- That, it is agreed that Shri Kuldip Bhuiya, son-in-law of the deceased workman, late Smt. Patrazia Bhuini shall be offered employment as Badli Miner Loader subject to production of valid document to establish that he is only the person to get the employment under para 9.4.2 of NCWA-III.
- That in support of proof of genuinity, Shri Kuldip Bhuiya will produce photograph duly attested by the Mukhiya of the village to which he belongs together the certificate as regards to correctness of his identity. The certificate and the photographs should also bear the certificate of the BDO of the Block within which the village situated. He will submit an affidavit regarding his genuinity of identity.
- That Shri Kuldip Bhuiya will be examined by Medical Board for determination of his duitability for

the job of Miners/Loaders as well as for assessment of his age. In case he will be medically unfit or above the age of 30 years, he will not be taken in the employment.

- (d) That the management will have right to terminate his service in case any of his declaration will be found to be wrong or he is not genuine dependant son of late Patraia Bhuini.

3. That in view of the above settlement nothing remains to be adjudicated.

Under the facts and circumstances stated above the Hon'ble Tribunal will be graciously pleased to accept the settlement as fair and proper and be pleased to pass the Award in terms of the settlement.

For the Employer

Sd/- Illegible

General Manager

Govindpur Area

Sd./-

(S. P. Singh)

Personnel Manager

Witnesses :—

1. Sd/- Illegible.
2. Sd/- Illegible.
- 3.

For the Workman

Sd./-

(ARJUN SINGH)

Secretary

Koyala Ispat Mazdoor Panchayat

का. मा. 329 --औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैससे भारत कोलिंग कोच लि. का वर्गिका कॉलियरी के प्रबन्धन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 1), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-1-89 को प्राप्त हुआ था ।

S.O. 329.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Bassuriya Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th January, 1989.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 58 of 1983

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bassuriya Colliery of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri R. S. Murty, Advocate.

For the Workmen : Shri D. Mukherjee, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, the 27th December, 1988

AWARD

By Order No. L-20012(107)/83-D.II(A), dated, the 10th August, 1983, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the Powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to the Tribunal :

"Whether the action of the management of Bassuriya Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. in not placing Shri Bindeswari Singh, Dozer Operator in Excavation Group B is justified? If not, to what relief is the said workman entitled and from what date?"

2. The case of the management of Bassuriya Colliery of M/s. B.C.C. Ltd. as appearing from the written statement, benefit of details is as follows :

The present reference is not maintainable since there exists no industrial dispute in the eye of law inasmuch as no demand was made nor was any dispute raised with the management by the workman concerned or his union. The substantive case of the management is that Bindeswari Singh, the concerned workman was previously a Loco Driver. The post held by him then was entirely different from that of a Dozer Operator. The training, skill, proficiency, etc. required to be possessed by a Dozer Operator are entirely different from that of a Loco Driver. Since the concerned workman evinced interest in the post of Dozer Operator, the management decided to give him the opportunity of acquiring experience in that post by necessary training etc. He had no experience or training whatsoever earlier in regard the job of Dozer Operator. The management, therefore, placed him in Excavation Grade with effect from 1-8-1982 so that he may have the opportunity of receiving training and acquiring experience. After he received training and acquired some experience, he was placed in Excavation Grade 'C' with effect from 1-8-1982. The qualifications required to be possessed by Dozer Operator Grade 'C' as per decision of the Joint Bi-partite Committee for the Coal Industry as reflected in the Implementation Instruction No. 36 of 2-2-1981 are as follows :

"Tractor/Dozer Operator Gr. II (Group C).—A skilled workman possessing not less than 3 years experience in the operation and handling of crawler or wheel type dozers of not less than 150 HP. He should have general knowledge of the mechanism of the tractors and undertake minor running repairs. He should hold valid driving licence for tractor driving."

Even when the concerned workman was placed in Group-C he did not possess the required qualifications as aforesaid and still the management took a generous view and placed him in Group-C/Grade-C. The aforesaid Joint Bipartite Committee for the Coal Industry is a collective bargaining forum at the National and Industry level for coal industry. The National Coal Wage Agreements are settlement within the meaning of Section 2(p) of the Industrial Disputes Act. As per decision of J.B.C.C.I. under the aforesaid Implementation Instruction, Dozer Operators Grade-I have been placed in Group-B (Grade-B) and the qualifications, experience, etc. prescribed for them are as follows :

"Tractor/Dozer Operator Grade. I.—A skilled workman possession not less than 5 years experience in the operation and handling of crawler or wheel type dozers of not less than 150 HP. He should have general knowledge of the mechanism of the tractor and undertake minor running repairs. He should hold valid licence for tractor driving."

The concerned workman does not possess and fulfil the above qualifications, etc. and he is not, therefore, entitled to be placed in Group-C (Grade-C). The demand for placing him to Group-C is not justified and under no circumstances he can claim to be placed in Group-B (Grade-B). The management has submitted that the demand of the workman concerned/sponsoring union is a demand for promotion of the workman concerned from Group-C/Grade-C to next high-

her Group/Grade-B which is totally unwarranted and unjustified. Promotion is a sole function of the management and the workman concerned cannot claim it as of right. In the circumstances the management has prayed that its action be held to be justified.

3. The case of the sponsoring union as appearing from the written statement, details apart, is as follows:

The concerned workman is a permanent employee of the management and till February, 1979 he was a Loco Driver in Bassuriya Colliery. During February, 1979 the management decided to train some competent workmen to operate Bulldozers and other machines to be engaged in the open cast mines and projects and in course of that programme inducted him also in such training. The Deputy Personnel Manager, Kusunda Area, under which the colliery in question was administered, by his letter dated 17th/19th February, 1979 wrote to the Project Manager, Dhansar/Kusunda Open Cast Project to train persons including the concerned workman in operating Bulldozer for their employment in similar positions after training. The concerned workman undertook training and after successful completion of training was posted in the capacity of Bulldozer Operator in different places of the management. After being engaged as a Bulldozer Operator, the management issued Office Order fixing the scale of basic pay for such trained workmen in different places and in that process the concerned workman was placed in Excavation Grade 'D' whereas several others were placed in Excavation Grade 'C' and quite a few in Excavation Grade-B also. The concerned workman represented before his superior officers about the arbitrary method of his placement in Excavation Grade-D and also about making discrimination between workmen and workmen. The management assured him that fixation of his scale of pay was temporary and it would be rectified shortly. Thereafter the management issued an Office Order dated 10th December, 1982 under the signature of the Agent, Bassuriya Colliery re-fixing pay scale in respect of 16 workmen of different category and there the pay scale of the concerned workman was re-fixed in Excavation Grade 'C' from Grade 'D' whereas several other Operators who had been trained along with him were placed in Excavation Grade 'B' and thus once again severe discrimination was done to him and even person junior to him in service was placed in Excavation Grade B. He objected to the authorities complaining about such discrimination. The management assured him of justice but did nothing. When no action was taken by the management to redress his grievance he reported the matter to the trade union, namely, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, who took up the matter on his behalf and raised an industrial dispute before the A.L.C.(C), Dhanbad. The A.L.C.(C), Dhanbad tried to resolve the dispute by conciliation, but that ended in a failure due to non-cooperative attitude of the management. The management has re-categorised 49 workmen of various trade/group by an Office Order dated 6th January, 1987 in which several workmen junior to the concerned workman had been upgraded to Excavation Grade 'B'. But his case has been left out on the plea that the matter will be decided by the Tribunal. In the circumstances, the sponsoring union has submitted that the concerned workman be placed in Excavation Grade 'B' with effect from 1st August, 1982 when recategorisation was done by the management by Office Order dated 10th December, 1982.

4. In its rejoinder to the written statement of the management the sponsoring union has stated that the management illegally and arbitrarily placed the concerned workman in Excavation Grade 'D' with effect from 1981 in violation of Wage Board Recommendations. Wage Board Recommendation has got statutory force and as per Wage Board Recommendation minimum starting category of Dozer Operator is Excavation Grade 'B'. The union has further submitted that Chedi Lohar who was junior to the concerned workman was regularised and placed in Excavation Grade-B as Dozer Operator from the date of completion of his training period. Basdeo Rabidas another Dozer Operator has also been placed in Excavation Grade-B in similar circumstances. The demand for the concerned workman for being placed in Excavation Grade-B is based on the ground that junior workmen, such as, Chedi Lohar etc. had been given Excavation Grade-B and that equal pay for equal work should be ensured by the management.

5. The management has not filed any rejoinder to the written statement of the concerned workman.

6. The management has examined only one witness, namely, MW-1 Onkar Singh who is now posted as Executive Engineering, East Basuria Colliery and laid in evidence only one item of document which has been marked Ext. W-1. On the other hand, the sponsoring union has examined the concerned workman as WW-1 and laid in evidence a sheaf of documents which has been marked Exts. W-1 to W-8.

7. Admittedly, Bindeswari Singh, the concerned workman was previously working as Loco Driver of Basuria Colliery of M/s. B.C.C. Ltd. It is also an undeniable fact that he was sent to undergo training as a Dozer Operator. The written statement of the union discloses that the Deputy Personnel Manager, Kusunda Area, under which Basuria colliery was administered, by his letter dated 17/19-2-79 wrote to the Project Manager, Dhansar Open Cast Project, to train persons including the concerned workman in operating Bull Dozer for their employment in similar position after training. The letter of the Dy. Personnel Manager of Kusunda Area dated 17/19-2-79 which has been produced by the union establishes this position (Ext. W-7). Thus, it is seen that the concerned workman was sent by the management to undergo training as Dozer Operator in or about February, 1979. The letter of the Manager, Bussuriya Colliery dated 30-9-1980 (Ext. W-3) is indicative of the fact that the concerned workman was working as Dozer Operator in Bassuriya colliery. By this letter a word of caution was issued to the concerned workman, Chedi Lohar and two others with regard to their performance of duties. However, the fact is that on 30-9-80 the concerned workman was working as Dozer Operator. It is the case of the union that after completion of training for one year as Dozer Operator the concerned workman was placed in Excavation Grade-D. This has not been disputed by the management. This position is reached that upon completion of training, as Dozer Operator the concerned workman was placed in Excavation Grade-D.

8. Sri D. Mukherjee, Advocate, for the union as contended that as per Central Wage Board Recommendations the concerned workman was entitled to be placed in Excavation Grade-B upon completion of training. But the Central Wage Board Recommendations for placement of Dozer Operator of Excavation Section in Grade-B relates to National Coal Development Corporation. Admittedly, Basuriya Colliery was never a part and parcel of National Coal Development Corporation. That being so, the contention of Sri D. Mukherjee that the concerned workman was entitled to be placed in Excavation Grade-B upon completion of his training as Dozer Operator is not sustainable.

9. It appears that by Office Order dated 10-12-82 (Ext. W-5) the concerned workman was placed in Excavation Grade-C from Excavation Grade-B. Shri R. S. Murty, Advocate, for the management has contended that although under Implementation Instruction No. 36 dated 2-2-81 of J.B.C.C.I. the concerned workman was not entitled to be placed in Excavation Grade-C, the management by its generosity granted that benefit to him. Whatever may be the position, the fact is that the concerned workman was placed in Excavation Grade-C with effect from 1-8-1982 by Office Order dated 10-12-82 (Ext. W-5).

10. It is the case of the sponsoring union that the management, in placing the concerned workman initially in Excavation Grade-D and later in Excavation Grade-C, has made a discrimination between workman and workman because Chedi Lohar and Basdeo Rabidas, although junior to him, were placed straightway in Excavation Grade-B upon completion of their training. It appears that in terms of letter dated 3-4-79 Chedi Lohar, a Blacksmith and three other were sent to undergo training as Dozer Operator (Ext. W-1). By Office Order dated 17-2-81 Chedi Lohar was placed in Excavation Grade-B upon completion of training. It also appears that Basdeo Rabidas was appointed by letter dated 28-4-79/1-5-79 as temporary Dozer Operator in Grade-B. There is no dispute that he was recruited directly from open market. Later the position seems to have been revised and he was placed in Excavation Grade-C and was promoted to Excavation Grade-B by Office Order dated 6-1-87 (Ext. W-6). Sri R. S. Murty has submitted that Basdeo Rabidas was

placed in Excavation Grade-D, but there is no supportive evidence to bolster up this contention. Anyway, the fact remains that Chedi Lohar, a Blacksmith, was placed straightway in Excavation Grade-B after completion of training as Dozer Operator and Basdeo was placed in Excavation Grade-C after completion of training as Dozer Operator.

11. Sri R. S. Murty has submitted that as a result of test after training Chedi Lohar was placed in Excavation Grade-B and the concerned workman in Excavation Grade-D. But there is neither any pleading nor any evidence on this point. Sri Murty has further contended that Basdeo Rabidas underwent training as Dozer Operator before his appointment in the post of Dozer Operator. Unfortunately, on this score also there is no pleading nor any evidence. Sri Murty has submitted also that Chedi Lohar and Basdeo Rabidas were working on bigger capacity dozer than the dozer operated by the concerned workman. This contention is also unsubstantial because MW-1 Onkar Singh, now posted as Executive Engineer, Eas Basuriya Colliery, has stated that Chedi Lohar, Basdeo Rabidas and the concerned workman were operating the same dozer in Basuriya colliery. Sri Murty has finally submitted that Chedi Lohar is more competent to maintain dozer than the concerned workman. There exists no pleading and the documentary evidence on this point. Even so, this does not explain as to why Basdeo Rabidas was placed in Excavation Grade-C while the concerned workman was placed in Excavation Grade-D.

12. It is evident from my discussion above that the management has not followed a systematic and rational policy with regard to placement of dozer operator in different grades after training. This really reflects upon the wisdom and performance of the management.

13. The guideline of J.B.C.C.I. envisages that a skilled workman possessing not less than five years experience as Dozer Operator and capable of handling of crawler or wheel type dozers of not less than 150 HP and having knowledge of the mechanism of tractor and capable to undertake minor running repairs, is entitled to be placed in Excavation Grade-B. Even applying these guidelines the concerned workman is entitled to be placed in Excavation Grade-D wayback in September, 1985 when, as the evidence reveals, he worked as Dozer Operator for five years after training.

14. In view of my discussion come to the inescapable conclusion that the action of the management of Basuriya Colliery in not placing the concerned workman in Excavation Grade-B is not justified.

15. Accordingly, the following award is rendered—

the action of the management of Basuriya Colliery of M/s. B.C.C. Ltd. in not placing Shri Bindeshwari Singh, Dozer Operator in Excavation Group-B (Grade-B) is not justified. The management is directed to consider his case for placement in Excavation Grade-B with effect from September, 1985.

In the circumstances of the case, I award no cost.

S. K. MITRA, Presiding Officer
[No L-20012/107/83-D.III(A)/TR(Coal-I)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer